दैनिक

सीहोर जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

सीहोर जिले, नर्मदापुरम् संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-189 सीहोर, रविवार 13 सितम्बर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

"खुशी तब मिलेगी,
जब आप जो सोचते हैं,
जो कहते हैं, और जो करते हैं,
उसमें सामंजस्य हो।"
-महात्मा गांधी

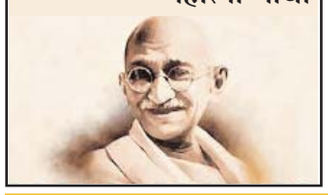

ब्रिक्स शिखर सम्मेलनः प्रधानमंत्री मोदी बोले-हम किसी के खिलाफ नहीं

-शी जिनपिंग और पुतिन समेत कई देशों के नेता पहुंचे

नई दिल्ली (ए.)। राजधानी नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का शुभारंभ हो गया है। सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई देशों के शीर्ष नेता हिस्सा ले रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्मेलन में पहुंचने वाले वैश्विक नेताओं का स्वयं स्वागत किया। इस दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी उनके साथ मौजूद रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वैश्विक नेताओं का स्वागत करते हुए उन्हें खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स किसी के विरुद्ध खड़ा होने वाला संगठन नहीं है, बल्कि सभी को साथ लेकर आगे बढ़ने का प्रयास करने वाला मंच है। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता लोगों पर केंद्रित और मानवता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाले दृष्टिकोण से प्रेरित है। प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स के 20 वर्ष पूरे होने को एक ऐतिहासिक पड़ाव बताया। उन्होंने कहा कि दो दशक का समय परिपक्वता और अधिक जिम्मेदारी का दौर होता है। अब जरूरत है कि वैश्विक मंच पर ब्रिक्स के प्रयासों को ठोस परिणामों में बदला जाए।मोदी ने कहा कि अगले 20 वर्षों के लिए ब्रिक्स को एक नए और महत्वाकांक्षी कार्यसूची पर काम करना होगा। इसकी शुरुआत संगठन के काम करने के तरीके में बदलाव से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स की अध्यक्षता हर वर्ष बदलती है, लेकिन इससे संगठन की संस्थागत गति प्रभावित नहीं होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स में 'सामुदायिक निरंतरता एवं क्रियान्वयन तंत्र' बनाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से ब्रिक्स की विभिन्न पहलों और हासिल किए गए परिणामों का नियमित रूप से अनुपालन और समीक्षा की जा सकेगी।उन्होंने एक सुरक्षित डिजिटल भंडार बनाने का भी सुझाव दिया, जिसमें संगठन की पहलों, निर्णयों और उपलब्धियों का व्यवस्थित रिकॉर्ड रखा जा सके।

नई दिल्ली घोषणा पत्र पर सहमति, टैरिफ और युद्ध की निंदा की गई

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत की अध्यक्षता में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में बड़ी कूटनीतिक सफलता हासिल हुई है। सम्मेलन में ब्रिक्स के सभी सदस्य देशों ने संयुक्त घोषणा पत्र यानी नई दिल्ली घोषणा पर सर्वसम्मति से सहमति जताई। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और सदस्य देशों के बीच मतभेदों के बीच इस सहमति को भारत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।नई दिल्ली घोषणा में किसी देश का नाम लिए बिना सभी प्रकार की आक्रामकता की निंदा की गई है। घोषणा पत्र में स्पष्ट किया गया है कि संघर्षों को समाप्त करने और अंतरराष्ट्रीय विवादों का समाधान निकालने के लिए बातचीत और कूटनीति ही आगे बढ़ने का रास्ता है। समूह ने बातचीत और कूटनीति के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने के अपने संकल्प को दोहराया।

उज्जैन के ताजपुर में गणेश प्रतिमा की आंखों से आंसू निकलने का दावा, दर्शन के लिए उमड़ी भीड़

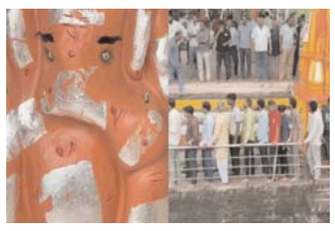

उज्जैन,(ए.)। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में ताजपुर तहसील के ग्राम चोपड़ा स्थित प्राचीन माता जी की मंदिर में गणेश प्रतिमा की आंखों से आंसू आने का दावा किया गया है। शनिवार सुबह यह खबर फैली तो बड़ी संख्या में ग्रामीण और आसपास के लोग गणेश जी के दर्शन के लिए पहुंचने लगे।गणेश जी की आंखों में आंसू आने की बात सुनते ही गांव में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ गई। सुबह से गणेश जी के दर्शन के लिए मंदिर में लम्बी कतार लगी हुई है। आसपास के लोग भी मंदिर पहुंच रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रतिमा की आंखों से आंसू बहते दिखाई दे रहे हैं और यह स्थिति करीब आठ घंटे से बनी हुई है। श्रद्धालुओं की ओर से मौके पर महाआरती भी की जा रही है।गांव निवासी ईश्वर सिंह पाटीदार ने बताया कि शनिवार सुबह करीब 6:30 बजे गांव में नगर पूजा हुई थी। तब लोगों को गणेश जी की प्रतिमा की आंखों से आंसू निकलते देखा।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव आज आगर मालवा से अंतरित करेंगे लाड़ली बहना योजना की 40वीं किस्त

प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक महिलाओं के खातों में पहुंचेंगे 1,835 करोड़ रुपये

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार 13 सितंबर को आगर मालवा से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की सितंबर माह की 40वीं किस्त का अंतरण करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 10 हजार 150 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 1,835 करोड़ 09 लाख 22 हजार 450 रुपये की मासिक आर्थिक सहायता सीधे अंतरित की जाएगी। सितंबर की किस्त के साथ ही योजना के प्रारंभ से अब तक महिलाओं को नियमित मासिक सहायता के रूप में अंतरित राशि 65,395.99 करोड़ रुपये हो जाएगी।मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की शुरुआत जून 2023 में हुई थी। उस समय पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती थी। अक्टूबर 2023 से इसमें 250 रुपये की वृद्धि कर सहायता राशि 1,250 रुपये प्रतिमाह की गई। नवंबर 2025 से एक बार फिर 250 रुपये की वृद्धि के बाद पात्र महिला हितग्राहियों को वर्तमान में 1,500 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता दी जा रही है।योजना में ऐसी पात्र लाभार्थी महिलाओं को भी प्रावधान के अनुसार लाभ दिया जा रहा है, जिन्हें सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से प्रतिमाह 900 रुपये प्राप्त हो रहे हैं। इस व्यवस्था के तहत उन्हें अंतर की राशि उपलब्ध कराई जा रही है ।जून 2023 से अगस्त 2026 तक लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत 39 नियमित मासिक किस्तों का भुगतान किया जा चुका है। अब सितंबर में 40वीं किस्त अंतरित की जाएगी। इसके अतिरिक्त रक्षाबंधन के अवसर पर अगस्त 2023, अगस्त 2024, अगस्त 2025 और अगस्त 2026 में लाभार्थी महिलाओं को 250 रुपये की विशेष आर्थिक सहायता भी दी गई है।

कश्मीर में एनआईए की सात ठिकानों पर छापेमारी

-सीमा पार आतंकी साजिश की जांच में कार्रवाई; पाकिस्तान में बैठे संचालकों और स्थानीय मददगारों के नेटवर्क की तलाश

श्रीनगर (आरएनएस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को कश्मीर घाटी में कई स्थानों पर छापेमारी कर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज एक आतंकवाद संबंधी मामले की जांच के सिलसिले में की गई। अधिकारियों के अनुसार, जांच एजेंसी ने बांदीपोरा, कुलगाम और सोपोर में कुल सात ठिकानों पर तलाशी ली।एक अधिकारी ने बताया कि बांदीपोरा में तीन, जबकि कुलगाम और सोपोर में दो-दो स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। एनआईए के अधिकारियों ने पुलिस और अर्धसैनिक बलों की सहायता से संदिग्धों के घरों की जांच की तथा मामले से जुड़े दस्तावेज और अन्य संभावित साक्ष्यों की तलाश की।जांच एजेंसी की यह कार्रवाई कथित सीमा पार आतंकवादी साजिश की जांच का हिस्सा है। जांच में पाकिस्तान में बैठे आतंकवादी संचालकों और जम्मू-कश्मीर में सक्रिय स्थानीय मददगारों के बीच नेटवर्क की पड़ताल की जा रही है।आरोप है कि स्थानीय मददगार घुसपैठ कर घाटी में पहुंचने वाले विदेशी आतंकवादियों को ठहरने, आवाजाही और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराते थे। एनआईए इस पूरे नेटवर्क की संरचना और इससे जुड़े लोगों की भूमिका का पता लगाने में जुटी है।

फिर बढ़ा मंदाकिनी का जलस्तर

सतना, (आरएनएस)। शुक्रवार रात हुई तेज बारिश के बाद चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का जलस्तर फिर से बढ़ने लगा है। शनिवार सुबह तक नदी का पानी लगातार बढ़ता रहा। रामघाट समेत दूसरे घाटों की सीढ़ियां पूरी तरह पानी में डूब गईं। जलस्तर में तेजी से हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश का प्रशासन अलर्ट पर है। सावधानी के तौर पर प्रशासन ने घाटों पर बैरिकेडिंग लगा दी है। श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को निचले इलाकों में जाने से रोका गया है। घाट किनारे के दुकानदारों को भी सतर्क रहने और नदी के बढ़ते पानी को देखते हुए सामान सुरक्षित जगह पर हटाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन लगातार जलस्तर पर नजर रख रहा है।फिलहाल राहत की बात यह है कि मंदाकिनी नदी का जलस्तर खतरे के निशान से करीब 3 मीटर नीचे है। हालांकि, रातभर हुई बारिश के बाद पानी तेजी से बढ़ने से प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। पिछले दिनों आई बाढ़ के बाद नदी के जलस्तर में दोबारा बढ़ोतरी को लेकर घाटों पर खास नजर रखी जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक, दोनों देशों ने मिलकर विकास और सहयोग बढ़ाने पर दिया जोर

नई दिल्ली, (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की। भारत की अध्यक्षता में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए जिनपिंग सात साल बाद भारत पहुंचे हैं। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने उनका भारत में स्वागत किया और ब्रिक्स की अध्यक्षता के दौरान चीन की ओर से मिले सहयोग के लिए आभार जताया। वहीं, जिनपिंग ने भारत और चीन के बीच बेहतर ब्रिक्स सहयोग तथा उच्च गुणवत्ता वाले विकास के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और चीन को वैश्विक स्तर पर बड़ी भूमिका निभानी चाहिए। दोनों देशों की परिस्थितियां अलग-अलग होने के बावजूद वे एक-दूसरे की खूबियों से सीख सकते हैं, एक-दूसरे का समर्थन कर सकते हैं और मिलकर विकास कर सकते हैं। जिनपिंग ने कहा कि दोनों देशों को एक-दूसरे की ताकत का लाभ उठाते हुए सहयोग बढ़ाना चाहिए। उन्होंने भारत और चीन के बीच आपसी सहयोग को मजबूत करने तथा दोनों देशों के विकास के लिए साथ मिलकर काम करने की जरूरत पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैठक के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग का स्वागत करते हुए कहा कि उन्हें भारत में उनका स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। उन्होंने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान जिनपिंग के सकारात्मक बयान के लिए भी उनका धन्यवाद किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान चीन की ओर से मिले समर्थन और सहयोग के लिए वह आभारी हैं। उन्होंने कहा कि अब दोनों देशों को आपसी सहयोग पर चर्चा करने का अवसर मिला है।मोदी ने एक बार फिर जिनपिंग का भारत में स्वागत करते हुए दोनों देशों के बीच सहयोग को आगे बढ़ाने का संकेत दिया।गलवान घाटी में वर्ष 2020 में हुए संघर्ष के बाद प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भारत में यह पहली मुलाकात है।

नई दिल्ली के भारत मंडपम में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक ग्रुप फ़ोटो में।

तीन महीने में भोपाल-इंदौर का मास्टर प्लान नहीं आया तो इंदौर से भोपाल तक 50 हजार कांग्रेसजन निकालेंगे पदयात्रा : जीतू पटवारी

पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा द्वारा भोपाल मास्टर प्लान लागू करने की मांग को लेकर आयोजित 31 घंटे के उपवास कार्यक्रम में सम्मिलित होकर समर्थन व्यक्त किया

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आज भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा द्वारा भोपाल मास्टर प्लान लागू करने की मांग को लेकर आयोजित 31 घंटे के उपवास कार्यक्रम में सम्मिलित होकर समर्थन व्यक्त किया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, विधायक नितेंद्र राठौर, विजय चौरे, पूर्व संगठन महामंत्री राजीव सिंह, महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रीना बौरासी, भोपाल शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष श्रीमती संतोष कंसाना, लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी अरुण श्रीवास्तव, चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष गोविंद गोयल, पूर्व जिला अध्यक्ष मोनू सक्सेना सहित कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। श्री पटवारी ने कहा कि भोपाल और इंदौर के मास्टर प्लान को लेकर कांग्रेस पार्टी लगातार आवाज उठाती रही है। पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा जी ने भोपाल के मास्टर प्लान की मांग को लेकर उपवास किया है। इससे पहले व्यापारियों और विधायक श्री आरिफ मसूद जी ने भी इस मुद्दे को लेकर आंदोलन किया है। कांग्रेस पार्टी ने समय-समय पर सरकार से भोपाल और इंदौर का मास्टर प्लान लागू करने की मांग की है।

असम में दर्दनाक हादसाः ट्रक की टक्कर में कार सवार 5 युवकों की मौके पर ही मौत, ड्राइवर फरार

तेजपुर (असम),(आरएनएस)। सोनितपुर जिले के बालीपारा में शुक्रवार देर रात को एक सड़क हादसे में पांच युवकों की मौत हो गई. यह दुर्घटना रंगापारा पुलिस स्टेशन के बालीपारा के पास मीट चापली में एक पेट्रोल पंप के पास हुई. यहां एक कार और ट्रक के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, अरुणाचल प्रदेश के नंबर वाले ट्रक ने असम के नंबर वाली गाड़ी को टक्कर मारी. टक्कर इतनी भयानक थी कि कार में सवार पांचों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया. पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शवों को बरामद किया. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया. दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाने और फरार ड्राइवर की तलाश के लिए पुलिस ने जांच शुरू कर दी गई है. ट्रक के नंबर से उसके मालिक से संपर्क साधने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रदेश में आज 15 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट, इंदौर-जबलपुर समेत कई संभाग भीगेंगे

भोपाल(निप्र) । मध्य प्रदेश में तीन-चार दिन के ब्रेक के बाद मानसून फिर सक्रिय हो गया है। भोपाल, दमोह, टीकमगढ़, विदिशा समेत कई जिलों में बारिश हुई। भोपाल में तेज आंधी के साथ बारिश के दौरान विजिबिलिटी 100 मीटर से भी कम रह गई, जिससे ट्रैफिक की रफ्तार थम गई। वहीं, दमोह के निचले इलाकों में पानी भरने से जलभराव के हालात बने। शनिवार को मौसम विभाग ने प्रदेश के 15 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।मौसम विभाग ने शनिवार को उज्जैन, धार, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, देवास, हरदा, सागर, रायसेन, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट और छतरपुर जिले में में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं, मानसूनी सिस्टम के असर से अगले कुछ दिनों तक प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। श्योपाल, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, आलीराजपुर, बुरहानपुर, झाबुआ, नीमच, आगर-मालवा, मंदसौर, शाजापुर, रतलाम, बैतूल, ग्वालियर, गुना, शिवपुरी, दतिया, अशोकनगर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, मंडला, डिंडौरी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, पन्ना, दमोह, टीकमगढ़ और निवाड़ी में कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश हो सकती है।

प्रदेश के कई हिस्सों में पिछले 3 से 4 दिन बारिश नहीं होने से गर्मी और उमस का असर बढ़ गया था। अब मानसून के दोबारा सक्रिय होने से लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। शुक्रवार को हुई बारिश ने कई इलाकों में मौसम का मिजाज बदल दिया।मौसम विभाग के मुताबिक, मध्यप्रदेश में इस मानसून सीजन में अब तक 801.3 मिमी यानी 31.5 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है।

जेल में बंद पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के मोबाइल में मिले कई अश्लील वीडियो

बेंगलुरु,(आरएनएस)। जनता दल (सेकुलर) के पूर्व सांसद और बलात्कार के आरोप में जेल में प्रज्वल रेवन्ना के मोबाइल से कई अश्लील वीडियो मिले हैं। ये मोबाइल पिछले महीने क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने रेवन्ना की सेल से बरामद किया था। इसके अलावा एक चार्जर, एक पेन ड्राइव और एक नोटबुक भी जब्त की गई थी। अब फोन और पेन ड्राइव को फोरेंसिक जांच में दर्जनों अश्लील वीडियो और पेन ड्राइव में वेब सीरीज होने का खुलासा हुआ है।

दरअसल, क्राइम ब्रांच ने 11 अगस्त को बेंगलुरु की परप्पना अग्रहारा जेल में छापा मारा था। तब रेवन्ना को मोबाइल चलाते हुए पकड़ा गया था।

उसके पास से फोन, चार्जर, पेन ड्राइव और नोटबुक जब्त की गई थी।

इस मामले में पुलिस ने 11 सितंबर को 9 लोगों को गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया था कि कुछ मोबाइल फोन जेल वार्डन और सिम कार्ड अंडरट्रायल कैदी के जरिए अंदर पहुंचाए गए थे।

संक्षिप्त समाचार

भोपाल-हावड़ा-भोपाल एक्सप्रेस का रांची रोड स्टेशन पर अस्थायी ठहराव

भोपाल (निप्र)। रेल प्रसाशन द्वारा भोपाल मंडल होकर संचालित गाडी संख्या 13025/13026 (हावड़ा-भोपाल-हावड़ा एक्सप्रेस) का अस्थायी ठहराव बड़काकाना के स्थान पर पूर्व मध्य रेलवे धनबाद मंडल के रांची रोड स्टेशन पर अस्थायी ठहराव अगले आदेश तक प्रदान किया गया है।

1.13025 हावड़ा-भोपाल एक्सप्रेस रांची रोड आगमन/प्रस्थान 19.10/19.15, प्रभावी तिथि 19.10.26

2.13026 भोपाल-हावड़ा एक्सप्रेस रांची रोड आगमन/प्रस्थान 06.50/06.55, प्रभावी तिथि 15.10.26

यात्रियों से अनुरोध है कि ट्रेनों की समय-सारणी एवं ठहरावकी विस्तृत जानकारी आधिकारिक पूछताछ सेवा NTES/139/रेलवन या वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप के माध्यम से प्राप्त कर यात्रा का लाभ लें।

22 वर्षीय युवती वैशाली ने फांसी लगाकर खुदकुशी की

भोपाल (ए.)। राजधानी के कमला नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात 22 वर्षीय युवती वैशाली ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मूल रूप से कटनी की रहने वाली वैशाली भोपाल में किराए के कमरे में रहकर पढ़ाई करने के साथ एक साड़ी शोरूम में नौकरी और इवेंट्स में एंकरिंग करती थी। आत्महत्या से ठीक पहले उसने अपने बॉयफ्रेंड अतुल को वॉट्सऐप पर भावुक मैसेज भेजा, जिसके बाद मामले का खुलासा हुआ। कमला नगर पुलिस के अनुसार, बीकॉम ग्रेजुएट वैशाली अपने परिवार की इकलौती बेटी थी। उसके पिता का पहले ही निधन हो चुका है, जबकि उसकी मां रेलवे में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं। वैशाली ने करीब 20 दिन पहले ही भोपाल की नौकरी छोड़ दी थी और कटनी चली गई थी। वह 2 सितंबर को ही कटनी से वापस भोपाल लौटी थी। आत्महत्या से ठीक पहले वैशाली ने अतुल नाम के युवक को वॉट्सऐप पर मैसेज भेजा था। इसमें उसने लिखा- सॉरी यार, मैंने तुम्हारे साथ बहुत गलत किया है। हो सके तो प्लीज माफ कर देना। आई लव यू। आज तुमसे सभी चीजें खत्म कर रही हूं, बाय। अपना गुस्सा ठीक कर लेना, प्लीज। सॉरी यार, मैं ऐसा कुछ कर रही हूं। मेरे पास और कोई ऑप्शन नहीं था। बाकी मैंने कभी धोखा नहीं दिया... मैं तुम्हारे लिए हमेशा लॉयल रही, मेरा सारा पैसा भी रख लेना। कमला नगर थाना प्रभारी निरूपा पाण्डेय ने बताया कि पुलिस ने मृतका की मां के बयान दर्ज कर लिए हैं। परिजनों के मुताबिक, वैशाली पिछले कुछ समय से डिप्रेशन और माइग्रेन की समस्या से परेशान थी। वॉट्सऐप मैसेज सामने आने के बाद पुलिस प्रेम-प्रसंग और मानसिक तनाव, दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पुलिस ने वैशाली का मोबाइल जब्त कर लिया है। कॉल डिटेल रिकॉर्ड और चैट्स की तकनीकी जांच भी की जा रही है।

रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए अंतिम अतिरिक्त सीएलसी चरण 16 सितंबर तक

भोपाल, (ए)। मध्य प्रदेश में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को एक और अवसर प्रदान किया गया है। इसके लिए अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग चरण 12 से 16 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। जनसम्पर्क अधिकारी राजेश दाहिमा ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि उच्च शिक्षा संचालनालय द्वारा पूर्व में जारी आदेश के अनुसार रिक्त सीटों पर पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर प्रवेश की प्रक्रिया 21 से 31 अगस्त तक निर्धारित की गई थी। छात्र हित में विद्यार्थियों को रिक्त सीटों पर प्रवेश का अतिरिक्त अवसर प्रदान करने के लिए कॉलेज लेवल काउंसलिंग चरण की अवधि में वृद्धि की गई है। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग चरण के अंतर्गत 12 से 16 सितंबर तक शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में उपलब्ध रिक्त सीटों पर पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर प्रवेश की कार्यवाही की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा महाविद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित अवधि में प्रवेश की कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए विद्यार्थियों को आवश्यक सहयोग प्रदान करें। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, विद्यार्थी उपलब्ध रिक्त सीटों का लाभ उठाते हुए निर्धारित अवधि में संबंधित महाविद्यालय में प्रवेश की कार्यवाही पूर्ण कर सकते हैं। 16 सितंबर को निर्धारित समय के पश्चात प्रवेश मान्य नहीं होगा।

वर्ष की तीसरी नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन

भोपाल (आरएनएस)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल के अध्यक्ष मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में वर्ष की तीसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन शनिवार को जिला न्यायालय परिसर, भोपाल में किया गया।प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित कर एवं मां सरस्वती तथा महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश श्री राजर्षि श्रीवास्तव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री अग्नीश कुमार द्विवेदी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं न्यायाधीश श्री सुनीत अग्रवाल सहित न्यायाधीशगण, पुलिस कमिश्नर संजय कुमार, एडीएम पी.सी. शाक्य, मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के सदस्य राजेश व्यास, अभिभाषक संघ के अध्यक्ष देवेंद्र रावत एवं सचिव मुकेश नागपुरे सहित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी, बैंक एवं विद्युत विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, अभिभाषकगण एवं न्यायालयीन कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 13 सितंबर को मानव अधिकार आयोग के 32वें स्थापना दिवस कार्यक्रम का करेंगे शुभारंभ

जनजातीय मानव अधिकारों के संरक्षण और योजनाओं की उन तक पहुंच पर होगा मंथन

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार, 13 सितंबर को भोपाल स्थित आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के 32वें स्थापना दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव समारोह के मुख्य अतिथि और जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह विशिष्ट अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयोग के अध्यक्ष (कार्यवाहक) डॉ. अवधेश प्रताप सिंह करेंगे।

अनुसूचित जनजाति वर्ग के मानव अधिकारों पर होगा विचार-विमर्श

कार्यक्रम में 'अनुसूचित जनजाति वर्ग के मानव अधिकारों का संरक्षण एवं शासकीय योजनाओं की उन तक पहुंच' विषय पर वक्ताओं के उद्बोधन होंगे, साथ ही प्रेजेंटेशन के माध्यम से जनजातीय कार्य विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम में मिशन कर्मयोगी अंतर्गत साधना सप्ताह में अच्छे प्रदर्शन के लिए जनजातीय कार्य विभाग के उत्कृष्ट अधिकारियों एवं कर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे।

स्मारिका और डायरी का होगा विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और आयोजन के अतिथि मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग, भोपाल द्वारा प्रकाशित विषय आधारित 'स्मारिका' एवं बहुउपयोगी डायरी का विमोचन करेंगे। स्मारिका में विभिन्न लेखकों के विषय आधारित आलेखों के साथ जनजातीय वर्ग के मानव अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं की उन तक पहुंच से संबंधित जानकारी शामिल की गई है।

जनजातीय प्रतिनिधि एवं विद्यार्थी होंगे शामिल

कार्यक्रम में म.प्र. राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल, जनजातीय कार्य विभाग के प्रमुख सचिव गुलशन बामरा, आयुक्त तरुण राठी सहित मानव अधिकार आयोग एवं जनजातीय कार्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी-कर्मचारी, विभागीय हितग्राही, स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि और जनजातीय वर्ग के विद्यार्थी उपस्थित रहेंगे।

भोपाल में पीट-पीटकर युवक की हत्या

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के अन्ना नगर में शुक्रवार रात हंसी-मजाक को लेकर शुरू हुआ विवाद कुछ ही देर में खूनी संघर्ष में बदल गया। पड़ोसी को शक था कि एक दंपती उसका मजाक उड़ा रहा है। इसी बात को लेकर उसने पहले पति-पत्नी से गाली-गलौज की। विरोध करने पर उसने अपने साथियों के साथ मिलकर दोनों पर हमला कर दिया।दंपती को बचाने पहुंचे 22 वर्षीय रितिक गौड़ के सिर पर भी आरोपियों ने पत्थर मार दिया। बाहर से गंभीर चोट नजर नहीं आने के बावजूद रात में उसकी तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल में इलाज के दौरान शनिवार तड़के उसकी मौत हो गई।पुलिस के मुताबिक, रितिक गौड़ (22) अन्ना नगर में रहता था और चाय की दुकान पर काम करता था। उसके घर के पास ही उसकी बहन और जीजा विजय रहते हैं। शुक्रवार रात करीब 10 बजे विजय और उनकी पत्नी घर के बाहर खड़े होकर हंसी-मजाक करते हुए सूरज नाम के व्यक्ति के बारे में बात कर रहे थे। पास में रहने वाले सूरज को लगा कि दंपती उसी का मजाक उड़ा रहे हैं। इसी बात को लेकर सूरज ने विजय और उसकी पत्नी से विवाद शुरू कर दिया।

दिल्ली सराय रोहिल्ला से अशोकनगर के बीच एक-एक ट्रिप स्पेशल ट्रेन चलेगी

भोपाल (निप्र)। यात्रियों की सुविधा एवं आनंदपुर ट्रस्ट में आयोजित श्री 108 गुरु महाराज जी के 100वें जन्मदिवस के अवसर पर यात्रियों/श्रद्धालुओं की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा दिल्ली सराय रोहिल्ला-अशोकनगर-दिल्ली सराय रोहिल्ला के मध्य एक-एक ट्रिप स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। ट्रेन संचालन का विवरण इस प्रकार है:-

गाड़ी संख्या 04004 दिल्ली सराय रोहिल्ला-अशोकनगर स्पेशल ट्रेन दिनांक 17.09.2026 (गुरुवार) को दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशन से 12:15 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन फरीदाबाद स्टेशन पर 13:40/13:42 बजे, कोसीकलां 14:55/14:57 बजे, मथुरा जंक्शन 16:35/16:40 बजे, गंगापुर सिटी जंक्शन 18:35/18:40 बजे, सोगरिया 21:20/21:30 बजे, गुना 01:35/01:45 बजे होते हुए 18.09.2026 को 03:00 बजे अशोकनगर स्टेशन पहुँचेगी।

गाड़ी संख्या 04003 अशोकनगर-दिल्ली सराय रोहिल्ला स्पेशल ट्रेन दिनांक 21.09.2026 (सोमवार) को अशोकनगर स्टेशन से 17:00 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन गुना 18:10/18:20 बजे, सोगरिया 21:40/21:50 बजे, गंगापुर सिटी जंक्शन 00:15/00:20 बजे, मथुरा जंक्शन 04:20/04:25 बजे, कोसीकलां 04:58/05:00 बजे एवं फरीदाबाद 07:10/07:15 बजे होते हुए 22.09.2026 को 08:45 बजे दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशन पहुँचेगी।

24 कोच की होगी स्पेशल ट्रेन

इस स्पेशल ट्रेन में कुल 24 कोच लगाए जाएंगे, जिनमें 01 थर्ड एसी, 02 स्लीपर, 19 सामान्य श्रेणी कोच एवं 02 एसएलआर कोच शामिल हैं। रेल प्रशासन यात्रियों एवं श्रद्धालुओं से अनुरोध करता है कि वे अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए इस विशेष ट्रेन सेवा का लाभ उठाएं तथा अपनी यात्रा को सुविधाजनक एवं सुरक्षित बनाएं। ट्रेन के ठहराव, समय एवं अन्य विस्तृत जानकारी के लिए यात्री रेलवे की अधिकृत पूछताछ सेवा पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

पुलिस अफसरों पर अब सीधी एफआईआर आसान नहीं

भोपाल (ए.)। प्रदेश में सरकारी कामकाज से जुड़ी शिकायतों को लेकर राजपत्रित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सीधे आपराधिक कार्रवाई करना अब आसान नहीं होगा। पुलिस मुख्यालय की नई गाइड लाइन के तहत पदीय दायित्व से जुड़े मामलों में एफआईआर या अदालती कार्रवाई से पहले राज्य सरकार से अभियोजन की पूर्व स्वीकृति लेना अनिवार्य किया गया है। पीएचक्यू ने प्रदेश की सभी जिला इकाइयों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। पीएचक्यू की अपराध अनुसंधान शाखा की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार अब केवल शिकायत के आधार पर पुलिस अधिकारी के खिलाफ सीधे कार्रवाई नहीं की जाएगी। अभियोजन स्वीकृति देने से पहले शासन स्तर पर यह देखा जाएगा कि शिकायत वास्तव में पद के दुरुपयोग से संबंधित है या नहीं। यदि मामला अधिकारी के पदीय दायित्व और शासकीय कर्तव्य के निर्वहन से जुड़ा पाया जाता है तो अदालत द्वारा संज्ञान लेने से पहले शासन की अनुमति जरूरी होगी। पीएचक्यू ने ग्वालियर हाईकोर्ट की खंडपीठ के 19 जुलाई 2026 के आदेश का भी संदर्भ दिया है। इस मामले में बिना पूर्व अभियोजन स्वीकृति के दर्ज शिकायत के आधार पर हुई कार्रवाई को अदालत ने निरस्त कर दिया था। पीएचक्यू ने सभी जिला इकाइयों को इस निर्णय का गहन अध्ययन करने और जरूरत के अनुसार संबंधित न्यायिक दृष्टांतों का उपयोग करने के निर्देश दिए हैं। नई व्यवस्था को ड्यूटी के दौरान पुलिस अधिकारियों को दुर्भावनापूर्ण या बेबुनियाद शिकायतों से सुरक्षा देने की कवायद के तौर पर देखा जा रहा है।

गिरते पानी में डेब नदी के ऊपर तार बदलने का सफलतापूर्वक कार्य

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड खरगोन जिले के दक्ष और सेवाभावी कर्मचारियों ने वर्षा के बाद भी नदी के दोनों छोर के ऊपर 33 केवी के तार बदलने का चुनौतीपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक किया है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस कार्य को प्रशंसनीय और अनुकरणीय बताया है। 220 केवी अति उच्च दाब सब स्टेशन जुलवानिया से खरगोन जिले के सैगांव तक जाने वाले 33 केवी फीडर के तार भूलगांव के पास डेब नदी के ऊपर से निकलते हैं। शुक्रवार रात मौसम में भारी बदलाव, आंधी तूफान के कारण जुलवानिया से निकले उपरोक्त 33 केवी फीडर के तार भूलगांव के पास खराब होने की स्थिति बन गई थी, इस पर अत्यंत कम समय में स्टाफ एवं तैराकों की मदद से शनिवार अलसुबह से दोपहर तक 33 केवी तार बदलने का कार्य किया गया। गोलवाड़ी क्षेत्र सेगांव ब्लॉक क्षेत्र को जोड़ने वाली उक्त 33 केवी लाइन के तार विगत रात्रि को आए आंधी तूफान के कारण टूटने की अवस्था में पहुंचने पर उन्हें त्वरित बदला गया। खरगोन प्रथम संभाग के कार्मिकों ने जुलवानिया 220 केवी से निर्गमित 33 केवी सेगांव फीडर के तार 25 लाइन स्टाफ, गोताखोर एवं तैराकों की मदद से बदला गया। समस्त सुरक्षा उपकरणों का

उपयोग करते हुए तत्परतापूर्वक कार्य कर मात्र सात घंटे में पूरा किया गया। यह चुनौतीपूर्ण कार्य करने का औसत समय चौबीस घंटे है। उपरोक्त 33 केवी लाइन का उपयोग गोलवाड़ी उपकेंद्र पर किया जाता है, जिससे लगभग 20 गांव की आबादी को विद्युत प्रदान किया जाता है। शुक्रवार रात्रि में जैसे ही मौसमी कारणों से तार अत्यंत कमजोर होने की सूचना प्राप्त हुई तुरंत स्टाफ के माध्यम से गोलवाड़ी उप केंद्र को वैकल्पिक 33 केवी लाइन पर शिफ्ट कराया गया एवं त्वरित कार्रवाई करते हुए डेब नदी के ऊपर से जा रही उपरोक्त लाइन पर नए 33 केवी तार डालने का कार्य किया गया। खरगोन के इन सेवाभावी विद्युत सेवकों की तत्परता, सजगता, कर्मशील भावना की मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के एम डी अनूप सिंह ने भी प्रशंसा की है।

त्योहारों से पहले मध्यप्रदेश पुलिस की व्यापक तैयारी

भोपाल (ए.)। आगामी त्योहारों के दृष्टिगत प्रदेश में कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। विगत दिनों में विभिन्न जिलों में सघन रात्रिकालीन कॉम्बिंग गश्त, फरार एवं वारंटियों की धरपकड़, गुंडा-बदमाशों की चेकिंग, अवैध गतिविधियों के विरुद्ध कार्रवाई तथा बलवा नियंत्रण एवं आपदा प्रबंधन की तैयारियों का अभ्यास किया गया। जोन-4 के थाना द्वारकापुरी पुलिस द्वारा आगामी त्योहारों के मद्देनजर निगरानी बदमाशों को थाने लाकर परेड कराई गई। इस दौरान डोजियर अपडेट किए गए, अपराध से दूर रहने की शपथ दिलाई गई तथा आवश्यक नोटिस तामील कराए गए। कटनी पुलिस द्वारा रात्रिकालीन कॉम्बिंग गश्त के दौरान 182 आरोपियों को पकड़ा गया, जिनमें 20 स्थायी वारंटी एवं 69 गिरफ्तारी वारंटी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 42 गुंडों एवं 44 निगरानी बदमाशों की चेकिंग, 37 जमानती वारंट एवं 51 समंस की तामील की गई।

नीलबड़ में गूंजेगा गणपति बप्पा मोरया, शिव विहार कॉलोनी में होगा 'नीलबड़ के राजा' का भव्य आगमन

भोपाल (संदीप पंडा)। नीलबड़ स्थित शिव विहार कॉलोनी में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गणेश उत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। गणेश उत्सव समिति द्वारा इस बार 'नीलबड़ के राजा' के भव्य आगमन की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। इस वर्ष भगवान गणेश की प्रतिमा का आकार पिछले वर्षों की अपेक्षा बड़ा रहेगा, जिससे आयोजन का आकर्षण और बढ़ने की उम्मीद है।

गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष ने बताया कि हर वर्ष समिति का प्रयास रहता है कि गणेश उत्सव को पहले से अधिक भव्य और श्रद्धापूर्ण तरीके से आयोजित किया जाए। इसी उद्देश्य को लेकर इस बार की तैयारियां लगभग तीन माह पूर्व से ही शुरू कर दी गई थीं।

उन्होंने बताया कि 14 सितंबर को झांकी में भगवान गणेश की प्रतिमा विधिवत स्थापित की जाएगी। इसके बाद शिव विहार कॉलोनी के रहवासी प्रतिदिन सुबह-शाम भगवान गणेश की आरती एवं पूजा-अर्चना करेंगे और 'नीलबड़ के राजा' का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। गणेश उत्सव को लेकर कॉलोनी में उत्सव

जैसा माहौल बनने लगा है। समिति द्वारा आयोजन को व्यवस्थित एवं आकर्षक बनाने के लिए विभिन्न तैयारियां की जा रही हैं। श्रद्धालुओं को इस बार गणेश उत्सव में विशेष आकर्षण देखने को मिलेगा।

दीपक मानकर ने किया रक्तदान, जरूरतमंद मरीज की मदद के लिए बढ़ाया हाथ

भोपाल (संदीप पंडा)। जरूरतमंद मरीज की सहायता के लिए दीपक मानकर ने आगे आकर रक्तदान किया। उन्होंने भोपाल स्थित अपोलो सेज हॉस्पिटल में रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। रक्तदान के दौरान दीपक मानकर ने कहा कि रक्तदान एक ऐसा पुनीत कार्य है, जिससे किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में मदद मिल सकती है। उन्होंने लोगों से भी समय-समय पर रक्तदान करने और जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए आगे आने की अपील की। अस्पताल में रक्त संबंधी आवश्यक प्रक्रिया के बाद उनका रक्तदान संपन्न हुआ। इस दौरान उन्होंने लोगों को संदेश दिया कि रक्तदान महादान है, आपके द्वारा दिया गया रक्त किसी के जीवन की उम्मीद बन सकता है।

बहनों का सम्मान पूरे परिवार का सम्मान : भगवानदास सबनानी

भोपाल (संदीप पंडा)। दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक भगवानदास सबनानी ने संदीप तोमर महामंत्री टैगोर मंडल द्वारा आयोजित महिला सम्मान कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। शनिवार को नामदेव समाज भवन में विधायक सबनानी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र की महिलाओं का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक सबनानी ने कहा कि बहनों का सम्मान पूरे परिवार का सम्मान हैं, आप लोगों ने मुझे विधायक बनाया है, आपके द्वारा सौंपे गए काम को मैं ईमानदारी के साथ कर रहा हूं, क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहे हैं, हम सब मिलकर विधानसभा को एक आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाएंगे। मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म दिवस 17 सितंबर को हैं, आप सभी बहनें उस दिन शाम को 7 बजें एक दीपक जलाकर प्रधानमंत्री के स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना कर आशीर्वाद दें। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें

मोदी जी के 7 अक्टूबर को सेवा के 25 वर्ष पूरे होंगे। इसके अंतर्गत अनेकों आयोजन किया जाए। कार्यक्रम में विधानसभा प्रभारी राजू अनेजा टैगोर मंडल अध्यक्ष पारस नरवरिया मंडल अध्यक्ष हेमंत बड़गैया वरिष्ठ नेता चंद्रमा पांडेय वरिष्ठ साहित्यकार महेश सक्सेना गढ़वाली समाज के अध्यक्ष विजय नेगी महामंत्री धर्मेंद्र शाह आर आर पांडेय विकास नेगी विपिन कोठारी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र की महिलाएं एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भोपाल। विधायक भगवानदास सबनानी (भाजपा) व पूर्व विधायक पी.सी. शर्मा (कांग्रेस)ने संयुक्त माली-सैनी-मरार समाज द्वारा रामजी महाराज जी की 27वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित पिछड़ा वर्ग सम्मान दिवस समारोह में सम्मिलित हुए।

रात 12:30 बजे प्रेमिका ने बुलाया, फिर गायब हो गया युवक; जंगल में मिला शव; चेहरा बुरी तरह कुचला हुआ था

पन्ना (ए.)। जिले के बृजपुर थाना क्षेत्र की पहाड़ी खेरा पुलिस चौकी अंतर्गत लोहरहाई के घने जंगलों से सनसनीखेज वारदात सामने आई है। दो दिनों से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता 22 वर्षीय संदीप गोंड, पिता बखत सिंह गोंड, निवासी मनकी खास का शव लोहरहाई के जंगल में चट्टानों और भारी पत्थरों के नीचे दबा मिला। शव बेहद क्षत-विक्षत हालत में था। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस प्रेम प्रसंग सहित अन्य पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

रात 12:30 बजे प्रेमिका ने मिलने बुलाया था

मृतक के दोस्तों पुष्पेंद्र और बीरू के अनुसार, 8 सितंबर की रात करीब 10 बजे संदीप के पास उसकी महिला मित्र का फोन आया था। उसने संदीप को मिलने के लिए पहाड़ी खेरा बुलाया। इसके बाद संदीप अपने दोस्तों के साथ मोटरसाइकिल से रात करीब 12:30 बजे लोहरहाई जंगल के पास पहुंचा। दोस्तों का कहना है कि संदीप ने उन्हें वहीं से वापस लौटने के लिए कहा और बताया कि 'काम खत्म होते ही कॉल करूंगा।' इसके बाद संदीप का कोई पता नहीं चला और उसका मोबाइल भी बंद आने लगा।

गुमशुदगी के बाद परिजनों ने पुलिस पर लगाए लापरवाही के आरोप

संदीप के वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने बृजपुर थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शव मिलने के बाद परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। मृतक की बहन यशोदा आदिवासी ने पुलिस पर लापरवाही के आरोप लगाए। उनका कहना है कि संदीप कई दिनों से लापता था और पुलिस को उसकी लोकेशन समेत अन्य जानकारी दी गई थी। परिजनों का आरोप है कि समय रहते पुलिस ने गंभीरता से तलाश नहीं की, जिसके बाद उन्हें खुद जंगल में जाकर तलाश करनी पड़ी और वहां संदीप का शव मिला।

चट्टानों के बीच पत्थरों से दबा मिला शव

लोहरहाई के बीहड़ जंगल में चट्टानों के बीच भारी पत्थरों से दबा शव मिलने की सूचना से इलाके में सनसनी फैल गई। आशंका है कि हत्या के बाद साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को पत्थरों के नीचे दबाया गया होगा। हालांकि, इसकी पुष्टि जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसडीओपी अजयगढ़ राजीव सिंह भदौरिया ने बताया कि ग्राम लोहरहाई के जंगल में चट्टानों के बीच एक युवक का शव पत्थरों से दबा मिला है। जांच में सामने आया है कि युवक दो दिन पहले अपनी एक महिला मित्र से मिलने आया था, जिसके बाद से वह लापता था। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पीएम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

युवती और परिजनों समेत संदिग्धों से पूछताछ

पुलिस ने संबंधित युवती और उसके परिजनों समेत अन्य संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) भी खंगाल रही है। फिलहाल घटना को लेकर मनकी और पहाड़ी खेरा क्षेत्र में तनाव और आक्रोश का माहौल है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

मैहर कलेक्टर का अलग अंदाज : क्लास में टीचर बनकर बच्चों को पढ़ाया, लापरवाही पर प्राचार्य-शिक्षक को थमाया नोटिस

मैहर (ए.)। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत मैहर कलेक्टर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी ने गुरसरी क्षेत्र का दौरा कर विद्यालय, शासकीय उचित मूल्य की दुकान और आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर का अलग अंदाज देखने को मिला। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुरसरी पहुंचीं कलेक्टर ने कक्षा 10वीं में शिक्षक की भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों से संवाद किया और उन्हें पढ़ाई के साथ भविष्य में बेहतर करियर बनाने के लिए प्रेरित किया।

छात्रों से उर्वरक, संविधान और बायोलॉजिकल सेल पर किया संवाद

कक्षा में पहुंचने के बाद कलेक्टर मुखर्जी ने विद्यार्थियों से विभिन्न विषयों पर सवाल-जवाब किए। उन्होंने उर्वरक, संविधान और बायोलॉजिकल सेल से संबंधित जानकारी साझा करते हुए विद्यार्थियों की समझ को परखा। कलेक्टर के सीधे संवाद से विद्यार्थी भी उत्साहित नजर आए और उन्होंने बेझिझक सवालों के जवाब दिए। कलेक्टर ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे नियमित पढ़ाई के साथ अपने लक्ष्य को लेकर गंभीर रहें। उन्होंने छात्रों को कलेक्टर, डॉक्टर, इंजीनियर, पुलिस अधिकारी बनने के साथ-साथ खेलों के क्षेत्र में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति, शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यालय परिसर की व्यवस्थाओं और उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली।

झोलाछापों पर प्रशासन का बड़ा प्रहार, मेडिकल स्टोर की आड़ में चल रहे थे अस्पताल, दो ठिकाने सील किए

शिवपुरी (ए.)। जिले में अवैध रूप से संचालित हो रहे स्वास्थ्य संस्थानों पर प्रशासन का शिकंजा कसता जा रहा है। कलेक्टर अर्पित वर्मा के सख्त निर्देशों के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शुक्रवार शाम कोलारस में बड़ी कार्रवाई की। टीम ने दो मेडिकल स्टोर्स की आड़ में चल रहे अवैध अस्पतालों का भंडाफोड़ करते हुए उन्हें सील कर दिया है। यह कार्रवाई जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. रोहित भदकारिया के नेतृत्व में की गई। टीम में कोलारस खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय राठौड़ और फार्मासिस्ट बालेंदु रघुवंशी भी मौजूद थे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय ऋषीश्वर ने बताया कि जिले में लगातार अवैध क्लीनिक और अस्पतालों की जांच की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग की टीम सबसे पहले कोलारस के फूल राज होटल के सामने स्थित धाकड़ मेडिकल स्टोर पर पहुंची। जांच में मेडिकल स्टोर के ठीक बगल में ही एएस अस्पताल नाम से एक निजी अस्पताल संचालित हो रहा था। संचालकों ने बताया कि अस्पताल डॉ. पुष्पेंद्र सिंह के नाम पर रजिस्टर्ड है लेकिन जब टीम अंदर पहुंची तो वहां एक अपात्र व्यक्ति मरीजों का इलाज करता हुआ मिला। अस्पताल में 10 बेड लगाकर मरीजों को भर्ती करने की पूरी व्यवस्था की गई थी। टीम ने जब अस्पताल और मेडिकल स्टोर के पंजीयन, लाइसेंस और डॉक्टर की डिग्री से संबंधित दस्तावेज मांगे तो संचालक कोई भी कागज नहीं दिखा पाया।

उज्जैन सिंहस्थ 2028: विकास की राह में आगे आया बोहरा समाज, सड़क चौड़ीकरण के दायरे में आई मस्जिद का हिस्सा तोड़ा

उज्जैन (ए.)। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत शहर में चल रहे सड़क चौड़ीकरण अभियान के बीच बोहरा समाज ने सहयोग की मिसाल पेश की है। कोयला फाटक और कंठाल से गोपाल मंदिर रोड के चौड़ीकरण की जद में आ रही करीब 200 साल पुरानी हुसामी मस्जिद के अग्रिम हिस्से को समाज के लोगों ने आपसी सहमति से खुद हटाना शुरू कर दिया है।

नगर निगम के भवन अधिकारी राजकुमार राठौर के अनुसार सड़क चौड़ीकरण के दायरे में मस्जिद का करीब 8.5 फीट हिस्सा आ रहा है। इसमें 6 से 7 दुकानें भी शामिल हैं। प्रशासन की ओर से नोटिस दिए जाने के बाद बोहरा समाज ने विकास कार्य में सहयोग करने का निर्णय लिया। शुक्रवार शाम समाज के लोग खुद हथौड़े, घन और सब्बल से निर्धारित हिस्से को हटाते नजर आए। अधिकारियों के अनुसार तीन-चार दिनों में ट्रैक्टर ब्रेकर की मदद से यह काम पूरा कर लिया जाएगा।

महाकाल मंदिर में आस्था और तकनीक का संगम, अब 3D में कर सकेंगे भस्म आरती के दिव्य दर्शन

उज्जैन (ए.)। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर मंदिर में आस्था और आधुनिक तकनीक का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। मंदिर प्रबंध समिति की ओर से शुरू की गई नई 3ष्ठ भस्म आरती दर्शन सुविधा श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यह सुविधा उन भक्तों के लिए खास है, जिन्हें सीमित अनुमति के कारण मुख्य गर्भगृह या नंदी हॉल में बैठकर भस्म आरती देखने का अवसर नहीं मिल पाता।

महाकाल मंदिर के मानसरोवर परिसर स्थित दुर्लभ दर्शन केंद्र में यह विशेष 3ष्ठ सुविधा पूरी तरह निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। सुबह 4:30 बजे से 6:30 बजे तक श्रद्धालु 3ष्ठ चश्मे (VR Glasses) के माध्यम से भस्म आरती के सजीव और अलौकिक दर्शन कर रहे हैं।

3D तकनीक को इस तरह तैयार किया गया है कि श्रद्धालुओं को ऐसा अनुभव होता है, मानो वे स्वयं गर्भगृह के सामने बैठकर भस्म आरती देख रहे हों। चिता भस्म अर्पित करने की प्रक्रिया, डमरू की गूंज, मंजीरों की झंकार और बाबा महाकाल का दिव्य श्रृंगार त्रिआयामी रूप में बेहद सजीव नजर आता है।

मंदिर प्रबंध समिति की यह पहल आस्था को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इससे उन श्रद्धालुओं को भी भस्म आरती के दर्शन का अनुभव मिल रहा है, जो अनुमति नहीं मिलने के कारण मुख्य परिसर में आरती में शामिल नहीं हो पाते।

श्रद्धालुओं के अविस्मरणीय अनुभव, आंखों में आए आंसू

3D भस्म आरती का अनुभव करने वाले श्रद्धालुओं के चेहरे पर आध्यात्मिक संतोष और खुशी साफ दिखाई दे रही है। इंदौर से आए श्रद्धालु रमेश शर्मा ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, "जब मैंने 3ष्ठ ग्लास पहने तो मुझे लगा ही नहीं कि मैं किसी हॉल में बैठा हूं। ऐसा महसूस हुआ जैसे बाबा महाकाल की आरती की भस्म मेरे ठीक सामने उड़ रही है और मैं सीधे गर्भगृह में ही बैठा हूं।

ओंकारेश्वरः दो घंटे तक गोमुखघाट पर चला सफाई अभियान, अधिकारियों से लेकर दुकानदारों ने किया श्रमदान

ओंकारेश्वर (ए.)। तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के उद्देश्य से शनिवार को गोमुखघाट पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में अधिकारियों, समाजसेवियों, दुकानदारों, नगर परिषद कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों ने करीब दो घंटे श्रमदान कर घाट और आसपास के क्षेत्र की सफाई की।

अभियान में सहायक कलेक्टर शिल्पा चौहान, नगर परिषद सीएमओ मोनिका पारधी, वरिष्ठ समाजसेवी जयप्रकाश पुरोहित, एल्डरमैन देवेश पुरोहित, स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर महंत शिवगिरी महाराज, स्थानीय दुकानदार प्रहलाद मधुकर सहित नगर परिषद कर्मचारी, समाजसेवी और नागरिक शामिल हुए।

श्रमदान के दौरान गोमुखघाट और आसपास के क्षेत्र में झाड़ू लगाकर कचरा एकत्रित किया गया। अधिकारियों और समाजसेवियों ने स्वयं कचरे के पोटले उठाकर उन्हें कचरा वाहन तक पहुंचाया। इस दौरान श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को सार्वजनिक स्थानों तथा घाटों पर कचरा नहीं फैलाने के लिए जागरूक किया गया।

सहायक कलेक्टर शिल्पा चौहान ने कहा कि कलेक्टर ऋषभ गुप्ता के निर्देशन में स्वच्छता अभियान की शुरुआत की गई है और इसे लगातार जारी रखा जाएगा। उन्होंने नागरिकों से सप्ताह में कम से कम एक दिन स्वच्छता अभियान से जुड़कर तीर्थ नगरी को स्वच्छ रखने में सहयोग करने की अपील की।

नगर परिषद सीएमओ मोनिका पारधी ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन तथा पत्रकारों और समाजसेवियों के सुझाव पर गोमुखघाट से अभियान की शुरुआत की गई है। उन्होंने दुकानदारों से अपना कचरा निर्धारित डस्टबिन में डालने और स्वच्छता अभियान में निरंतर सहयोग करने की अपील की।

स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर महंत शिवगिरी महाराज ने बताया कि वे लंबे समय से परिक्रमा मार्ग में पौधारोपण और स्वच्छता के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने नगरवासियों से भी स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता करने का आह्वान किया। अभियान में मौजूद लोगों ने कहा कि ओंकारेश्वर की स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि स्थानीय नागरिकों, दुकानदारों और श्रद्धालुओं की भी सामूहिक जिम्मेदारी है।

ओंकारेश्वर में हादसाः हेलीपैड का तीन क्विंटल वजनी गेट बच्चों पर गिरा, चार साल की दिव्या की मौत; भाई घायल

खंडवा(ए.)। ओंकारेश्वर से करीब पांच किलोमीटर दूर शिवाकोटी हेलीपैड के पीछे शनिवार दोपहर दर्दनाक हादसा हो गया। हेलीपैड की बाउंड्री पर लगा करीब तीन क्विंटल वजनी लोहे का गेट अचानक गिर गया। गेट की चपेट में आने से चार वर्षीय बालिका दिव्या की मौत हो गई, जबकि उसका भाई यश घायल हो गया। उपचार के बाद यश की हालत बेहतर बताई गई है।

जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर दिव्या, उसका भाई यश और कुछ अन्य बच्चे हेलीपैड के पीछे गेट के आसपास खेल रहे थे। इसी दौरान गेट के रोलर के नट-बोल्ट निकल गए और भारी भरकम गेट बच्चों के ऊपर आ गिरा। हादसे में दिव्या और यश दोनों घायल हो गए। दिव्या के सिर में गंभीर चोट आई थी।

व्यापार समाचार

ब्रिक्स सम्मेलनः भारत-चीन व्यापार का नया रिकॉर्ड, लेकिन असली पेंच 'व्यापार घाटा', जानिए यह क्यों बड़ा सिरदर्द है?

नई दिल्ली (ए.)। नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 12 और 13 सितंबर को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन जारी है। इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग सात साल के लंबे अंतराल के बाद भारत दौरे पर पहुंचे हैं। शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय वार्ता भी तय है। इस बहुप्रतीक्षित मुलाकात के बीच दोनों देशों के आर्थिक रिश्ते और व्यापारिक आंकड़ों पर सबकी नजर है। वित्त वर्ष 2025-26 के आंकड़ों के मुताबिक चीन, भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है। हालांकि, दोनों देशों के बीच कारोबार में भारत का व्यापार घाटा बढ़कर लगभग 100 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

भारत और चीन के बीच कारोबार का ताजा गणित क्या है?

वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार में 7.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसके साथ ही कुल कारोबार 2024-25 के 118.39 अरब डॉलर से बढ़कर 127.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

इस अवधि में भारत से चीन को होने वाले निर्यात में 36.62 प्रतिशत का उछाल देखा गया और यह 14.25 अरब डॉलर से बढ़कर 19.47 अरब डॉलर हो गया। भारत के कुल मर्चेंडाइज निर्यात में चीन की हिस्सेदारी भी 2024-25 के 3.2 प्रतिशत से बढ़कर 2025-26 में 4.4 प्रतिशत दर्ज की गई। दूसरी ओर, चीन से भारत का आयात भी 16 प्रतिशत बढ़कर 113.44 अरब डॉलर से 131.62 अरब डॉलर हो गया। भारत के कुल आयात में चीन की हिस्सेदारी बढ़कर लगभग 17 प्रतिशत हो गई है, जो पिछले वित्त वर्ष में 15.7 प्रतिशत थी।

99 अरब डॉलर के पार क्यों पहुंचा व्यापार घाटा?

कारोबार में भारी बढ़ोतरी के बावजूद भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती बढ़ता व्यापार घाटा है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 99.19 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो 2024-25 में 85 अरब डॉलर था।

ब्रिक्स ने दुनिया को नई दिशा दी, ग्लोबल साउथ तेजी से उभरा : चीनी पत्रकार

नई दिल्ली (ए.)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। इस मौके पर दुनिया से आए पत्रकारों और प्रतिनिधियों ने अपनी राय रखी।चीन के सरकारी अखबार पीपुल्स डेली के सीनियर पत्रकार रेन यान ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए बीजिंग से नई दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं। मुझे लगता है कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने भारत और चीन के नेताओं को मिलने और भारत-चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक अच्छा मंच प्रदान किया है।

वैश्विक स्तर पर दालें महंगी भारतीय बाजारों पर बढ़ेगा दबाव

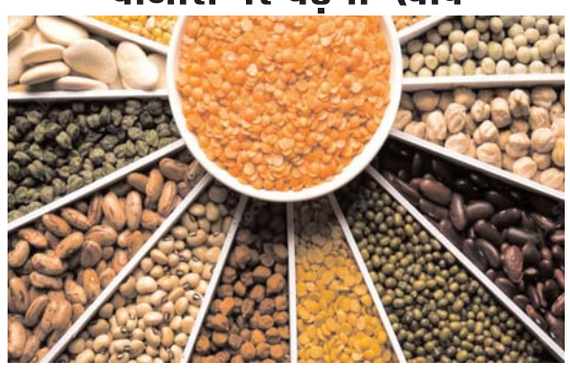

नई दिल्ली(ए.)। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में दालों के दाम मजबूत हुए हैं, जिससे भारत जैसे आयातक देशों के घरेलू बाजारों पर असर पड़ना शुरू हो गया है। वैश्विक स्तर पर आयात लागत बढ़ने और देश के भीतर कमजोर मानसून के चलते पैदावार घटने की आशंका ने बाजार की तस्वीर बदल दी है। आईग्रेन इंडिया के मुताबिक, ब्राजील से भारत आने वाली ग्रेड-1 उड़द की कीमत बढ़कर 960 डॉलर प्रति टन (950 डॉलर से 1 फीसदी ऊपर) हो गई है। म्यांमार एसक्यू का भाव भारत के लिए 965 डॉलर प्रति टन हो गया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारः ऑस्ट्रेलिया से कनाडा तक, किस देश में कैसे हैं भाव?

ऑस्ट्रेलियाई चने के भाव बांग्लादेश, भारत, नेपाल और पाकिस्तान के लिए 25 डॉलर प्रति टन बढ़े हैं। ऑस्ट्रेलिया से भारत का भाव 685 डॉलर प्रति टन और तंजानिया से पाकिस्तान का भाव 9 फीसदी उछलकर 700 डॉलर प्रति टन पहुंच गया है। मोजांबिक की गजरा तुअर भारत के लिए 7 फीसदी बढ़कर 760 डॉलर प्रति टन हो गई है। मलावियाई रेड तुअर 675 डॉलर प्रति टन और म्यांमार लेमन-टाइप तुअर 3 फीसदी बढ़कर 895 डॉलर प्रति टन पर पहुंच गई है। कनाडाई पीली मटर का भाव भारत के लिए 2 फीसदी बढ़कर 425 डॉलर प्रति टन हो गया है। वहीं कनाडाई मटर के लिए बांग्लादेश का भाव 5 फीसदी बढ़कर 485 डॉलर प्रति टन दर्ज हुआ है।

Zomato से खाना मंगाना हुआ और महंगा, अब CASH ON DELIVERY पर लगेगा इतने रुपए तक का एक्स्ट्रा चार्ज

नई दिल्ली (ए.)। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने अब 'कैश ऑन डिलीवरी (सीओडी)' विकल्प चुनने वाले ग्राहकों से 5 रुपए से 20 रुपए तक का अतिरिक्त शुल्क लेना शुरू कर दिया है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा और राजस्व स्रोतों को मजबूत करने की रणनीति के तहत कंपनी अब ऑर्डर के दौरान भुगतान के तरीके से भी कमाई करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है।कंपनी के ऐप पर दिखाई देने वाले बिल विवरण के अनुसार, 'पे ऑन डिलीवरी फीस' नाम से यह शुल्क अलग से जोड़ा जा रहा है। यह शुल्क केवल उन ग्राहकों पर लागू हो रहा है जो ऑनलाइन भुगतान के बजाय डिलीवरी के समय नकद भुगतान का विकल्प चुनते हैं। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, अधिकांश मामलों में यह शुल्क 5 रुपए है, हालांकि कुछ ऑर्डरों में ग्राहकों से 7 रुपए और कुछ मामलों में 20 रुपए तक भी वसूले गए हैं।

बड़ा संकट : 59 बिजली संयंत्रों में सिर्फ 3 दिन का कोयला बचा, आपूर्ति बढ़ाने की तैयारी; क्या बढ़ेगा दबाव?

नई दिल्ली (ए.)। देश के ऊर्जा क्षेत्र के सामने फिर संकट खड़ा हो गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश के लगभग एक तिहाई कोयला आधारित बिजली संयंत्रों में ईंधन का भंडार खतरनाक स्तर तक घट गया है।

सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी के ताजा आंकड़ों के अनुसार, ऐसे बिजली संयंत्र जहां कोयले का भंडार कुल जरूरत का 25 फीसदी से भी कम बचा है यानी जिनके पास मात्र 3 दिन का कोयला शेष है उनकी संख्या 9 सितंबर तक 59 हो गई है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर के विश्लेषक मनोज कुमार का कहना है कि घटता कोयला भंडार ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से एक बड़ी चेतावनी है। मई में देश की बिजली की अधिकतम मांग 270.70 गीगावॉट के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची थी, जो पिछले कुछ दिनों से लगातार 267 गीगावॉट के आसपास बनी हुई है।

देश में 267 गीगावॉट बनी हुई है बिजली की मांग: गर्मी के लंबे दौर और अल नीनो के असर से बिजली की मांग में कमी नहीं आ रही है, जिससे ग्रिड और बिजली उत्पादन पर भारी दबाव बन गया है। मई महीने में देश की बिजली की अधिकतम मांग 270.70 गीगावॉट के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची थी, जो पिछले कुछ दिनों से लगातार 267 गीगावॉट के आसपास बनी हुई है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

अपने अनुसंधान क्यों नहीं कर सकतीं?

डीआरडीओ ने पारंपरिक मिसाइल क्षेत्र में जो तकनीकें विकसित की हैं, भारत सरकार ने उन सबको निजी कंपनियों को सौंपने को मंजूरी दे दी है। सवाल है, अपने अनुसंधान क्यों नहीं कर सकतीं?

भारत में 2001 में रक्षा क्षेत्र को प्राइवेट सेक्टर के लिए खोला गया था। 2020 में इस क्षेत्र में ऑटोमैटिक रूट से 74 प्रतिशत और सरकारी मंजूरी के रास्ते 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की इजाजत दी गई। अब तक 350 से ज्यादा निजी कंपनियों को उत्पादन लाइसेंस जारी किए गए हैं। लेकिन 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के समय भारतीय सेना को निजी क्षेत्र से इतनी निराशा हुई कि लड़ाई के बाद बड़े सैन्य अधिकारियों ने इन कंपनियों की सार्वजनिक आलोचना की। वायु सेनाध्यक्ष ए.पी. सिंह ने कहा कि एक भी प्रोजेक्ट ऐसा नहीं है, जो समय पर पूरा हुआ हो। उन्होंने कहा कि इन कंपनियों से कॉन्ट्रैक्ट साइन करते वक्त यह पता नहीं होता कि वह समय पर पूरा होगा या नहीं। उन्होंने प्राइवेट कंपनियों से मुनाफे की सोच से ऊपर उठने का आह्वान किया था।

उप सेना प्रमुख राहुल आर. सिंह ने भी निजी रक्षा क्षेत्र को लेकर काफी हद तक एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह से मिलते-जुलते विचार जताए। लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने कहा कि अप्रैल 2025 में (ऑपरेशन सिंदूर से पहले) जब उन्होंने ड्रोन निर्माताओं से समय पर उपकरण देने की क्षमता पूछी, तो कई ने हाथ खड़े कर दिए। दोनों बड़े सैन्य अधिकारियों ने ध्यान दिलाया कि निजी कंपनियां रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर खर्च नहीं करना चाहतीं। अब भारत सरकार ने पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों पर सार्वजनिक क्षेत्र की संस्था- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने जो तकनीकें विकसित की थीं, उन सबको उन्हीं निजी कंपनियों को सौंपने को मंजूरी दे दी है।

ऐसा मिसाइल क्षेत्र में सरकार का एकाधिकार खत्म करने का तर्क देकर किया जा रहा है। मगर निजी कंपनियां अपने अनुसंधान क्यों नहीं कर सकतीं? अगर उनमें इसको लेकर प्रतिस्पर्धा हो, तो भारत में ऐसे नए अस्त्र बनाए जा सकते हैं, जिनसे दुनिया अचंभित हो! लेकिन यह अनुभव दुनिया भर का है कि तुरंत मुनाफे की भावना से प्रेरित निजी क्षेत्र दीर्घकालिक महत्त्व के निवेश नहीं करता। ऐसे में सार्वजनिक क्षेत्र को रक्षा क्षेत्र में नेतृत्वकारी भूमिका निभानी पड़ती है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसे बेशुमार तजुर्बों से भारत में कुछ नहीं सीखा जा रहा है।

कविता

स्त्रियों के सम्मान से सम्मानित राष्ट्र।
जिस घर में स्त्री की हँसी सुरक्षित,
वहीं आँगन में उजली सुबह
स्त्री केवल रिश्तों का नाम नहीं,
वे जीवन को थामे एक कोमल शक्ति ।
जिस राष्ट्र में बेटियाँ निर्भय ,
उस राष्ट्र की राहें स्वयं उजली होती ।
माँ की आँखों में जहां सम्मान का उजाला हो,
वहाँ हर बच्चे के सपनों में आसमान निराला हो।
स्त्री को कमजोर समझना, स्वयं को कमजोर करना ,
उनके अधिकारों को बचाना, भविष्य को सँवारना ।
उसकी चुप्पी को सहमति मत समझो,
उसके आँसुओं को कभी कमजोरी मत समझो।
सम्मान उसके वस्त्रों से नहीं, उसके अस्तित्व से हो,
न्याय उसके शब्दों से नहीं, उसके अधिकारों से हो।
जिस देश में नारी सुरक्षित, सम्मानित और स्वतंत्र होगी,
वही धरती सच में सभ्य और समृद्ध होगी।
आओ, हर बेटी के सपनों को पंख दें,
स्त्री के सम्मान से अपने राष्ट्र को सम्मान दें।

संजीव ठाकुर

वंदे मातरम को स्वीकार करने से भाग रही कांग्रेस

एस. सुनील

वंदे मातरम सिर्फ एक गीत नहीं है, बल्कि यह 140 करोड़ भारतीयों की राष्ट्रवाद की भावनाओं को प्रतीकित करने का माध्यम है। यह भारत की नियति का एक सबसे सुंदर हिस्सा है। दुर्भाग्य से कांग्रेस पार्टी इस नियति को स्वीकार करने से भाग रही है। जिस पार्टी ने आजादी की लड़ाई का नेतृत्व किया, आजादी के 80वें वर्ष तक आते आते उसका इतना पतन हो गया कि उसने अपना ही इतिहास भुला दिया! आश्चर्य की बात यह है कि कांग्रेस इतिहास को 1937 से शुरू करना चाहती है। लेकिन वंदे मातरम का इतिहास तो 1875 से शुरू होता है, जब महान बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने इसकी रचना की थी। इस गीत ने कई तरह के बदलाव देखे हैं। आजादी से पहले और आजादी के बाद की स्थितियां देखी हैं। अगर कांग्रेस इसे आजादी से पहले वाली स्थिति में ही रख कर देखना चाहती है तो यह उसकी समझ है। परंतु मौजूदा समय मुस्लिम लीग और मोहम्मद अली जिन्ना जैसे किसी नेता के दबाव में निर्णय का नहीं है।

क्या कांग्रेस भूल गई कि 1896 के बाद से यह पूरा गीत कांग्रेस के अपने इतिहास का हिस्सा रहा है? स्वंय गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर ने 1896 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में वंदे मातरम के सभी छह अंतरे गाए थे। 1896 से लेकर 1937 तक कांग्रेस के कम से कम सात राष्ट्रीय अध्यक्ष मुस्लिम थे और उन सबकी अध्यक्षता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम के सभी छह अंतरे गाए गए। किसी मुस्लिम अध्यक्ष ने इस आधार पर आपत्ति नहीं की थी कि इसमें हिंदू देवी, देवताओं का जिक्र है और इससे उनकी धार्मिक भावना आहत होती है। शुरुआत 1896 से ही होती है, जब मोहम्मद रहमतुल्ला एम सयानी कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे और तब के कलकत्ता अधिवेशन में पूरा वंदे मातरम गाया गया था। ऐसे ही 1913 में कराची अधिवेशन में नवाब सैयद मोहम्मद बहादुर कांग्रेस अध्यक्ष थे और पूरा वंदे मातरम गाया गया था। 1918 में उस समय के बॉम्बे में हुए विशेष कांग्रेस अधिवेशन में सैयद हसन इमाम कांग्रेस अध्यक्ष थे और वंदे मातरम के सभी छह अंतरे गाए गए। 1921 में हकीम अजमल खां और 1923 में मोहम्मद अली जौहर कांग्रेस अध्यक्ष थे और तब भी पूरे वंदे मातरम का गायन हुआ था। उसके बाद मौलान अबुल कलाम आजाद और मुख्तार अहमद अंसारी के समय भी वंदे मातरम को

लेकर विवाद नहीं हुआ।

यह ऐतिहासिक तथ्य है कि मोहम्मद अली जिन्ना से पहले किसी मुस्लिम नेता ने धार्मिक भावना आहत होने के सवाल पर इस गीत का विरोध नहीं किया था। मुस्लिम नेताओं ने इस गीत का विरोध इसलिए नहीं किया था क्योंकि यह राष्ट्रवाद की भावना का गीत था, आजादी की लड़ाई का गीत था और साथ ही हिंदू व मुस्लिम के एक साथ मिल कर अंग्रेजों से लड़ने का गीत था। इस गीत और वंदे मातरम के नारे के साथ तो 1905 के बंग विभाजन का विरोध किया गया था और अंग्रेजों को बंगाल के बंटवारे का फैसला टालने के लिए विवश किया गया था। फिर यह कैसे सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने या किसी की भावना आहत करने वाला गीत हो सकता है?

सबसे पहले इस गीत से मोहम्मद अली जिन्ना की भावना आहत हुई थी। वैसे उनकी भावना आहत होना भी एक राजनीतिक मसला था, जो उनकी महत्वाकांक्षा से जुड़ा था। उन्होंने मुस्लिम आवाम को कांग्रेस से दूर करने के लिए यह मुद्दा उठाया और उस समय कांग्रेस नेतृत्व ने आजादी की लड़ाई के व्यापक संदर्भ को देखते हुए यह समझौता किया कि वंदे मातरम के सिर्फ दो ही अंतरे गाए जाएंगे। तभी 1937 के कलकत्ता अधिवेशन में पहली बार सिर्फ दो अंतरे गाए गए। हालांकि उसके बाद भी कांग्रेस मुस्लिम लीग को संतुष्ट नहीं कर पाई। इसका कारण यह था कि कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं को इस गीत के दो या चार अंतरे से समस्या नहीं थी। उनको वंदे मातरम के दो शब्दों से आपत्ति थी। उन्होंने अपने धार्मिक विश्वास को राजनीतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति का माध्यम बनाया और उसके बाद देश में क्या हुआ यह सब जानते हैं।

अगर कांग्रेस के इस तर्क को मान भी लें कि 1937 में महात्मा गांधी और दूसरे महान नेताओं ने जो वंदे मातरम गाया वही कांग्रेस गाएगी तब भी यह सवाल तो है कि क्या कांग्रेस अब भी मान रही है कि देश के हालात 1937 जैसे हैं? क्या कांग्रेस मान रही है कि नागरिकों का एक समूह देश के राष्ट्रगीत का सम्मान नहीं करना चाहता है तो उसकी मांग के आगे झुक जाया जाए? यह बहुत साफ दिख रहा है कि कांग्रेस अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के चलते न सिर्फ राष्ट्रगीत का अपमान कर रही है, बल्कि कानून और संविधान का भी उल्लंघन कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने संसद के मानसून सत्र में विधेयक पारित करके जो कानून बनाया है उसमें बहुत लचीलापन है। उसमें किसी को बाध्य नहीं किया जा रहा है कि वह पूरा वंदे मातरम गाए। राजकीय समारोहों में से पूरा बजाए जाने का प्रावधान किया गया है और नागरिकों से सिर्फ यह उम्मीद की जा रही है कि जब भी वंदे मातरम गाया या बजाया जाए तो वह उसका सम्मान करे। उससे सिर्फ यह उम्मीद की जाती है कि वह वंदे मातरम का अपमान नहीं करे, उसके गायन में बाधा नहीं उत्पन्न करे और इसे रोकने का प्रयास न करे। अगर उसे गीत याद नहीं है तब भी उससे सिर्फ सम्मान की उम्मीद की जा रही है।

असल में देश की मुस्लिम आबादी का एक बड़ा हिस्सा है अपनी संवैधानिक पहचान से ऊपर धार्मिक पहचान को रखना चाहता है। यह देश की एकता व अखंडता के लिए एक चिंताजनक विचार है। भारत का संविधान सबको धार्मिक आजादी देता है। लेकिन हर नागरिक की पहली पहचान भारतीय होने की है, जो संविधान से व्याख्यायित है। उससे ऊपर कोई पहचान नहीं हो सकती है। यह बात देश की मुख्य विपक्षी पार्टी को समझने की जरुरत है। नागरिक की संवैधानिक पहचान सबसे ऊपर है और अगर देश की संसद ने कानून बना कर वंदे मातरम का गायन अनिवार्य किया है और उसके सम्मान के कुछ नियम बनाए हैं तो उनका पालन किया जाना चाहिए।

कांग्रेस हो या वामपंथी हर मायने में लाचार

हरिशंकर व्यास

यों कांग्रेस ही नहीं स्वतंत्र भारत ही एक श्राप का मारा है। इस श्राप का नाम है लेफ्ट, खासकर कम्युनिस्ट। इसने भारत की मूल सनातनी धर्म-पद्धति, सभ्यता और उसकी सहज सामाजिक चेतना को दीमक की तरह गलाया है। कैसे? याद करें तिलक-गोखले-गांधी की कांग्रेस को। स्वतंत्रता के समय वह राम का नाम लेती थी। कांग्रेस रामराज्य, गीता, प्रार्थना, सत्य, अहिंसा, सर्वधर्म समभाव जैसे सभ्यतागत प्रतीकों की प्रतीक थी। यानी गांधी और कांग्रेसजन भारतीय समाज की जीवित वास्तविकता—धर्म—में जीते थे। उसी के नैतिक बल से देश बनना था। गांधी की शब्दावली का अर्थ था—मैं अपनी हिंदू सभ्यता और आस्था में खड़ा होकर दूसरे धर्म का बराबर सम्मान करता हूं।

ठिक ऐसे ही दूसरे छोर पर सावरकर और मदनमोहन मालवीय थे। इन दोनों के आईडिया में हल्का अंतर था। सावरकर ने राजनीतिक हिंदुत्व का विचार दिया। इसका कोर था-धर्मशास्त्रों की प्रामाणिकता की जगह बुद्धिवाद और विज्ञान पर जोर। छुआछूत और जातिभेद मिटाने की दृढ़ता। उनके हिंदुत्व में पितृभूमि-पुण्यभूमि (जैसे की योरोपीय देशों में भी फ़ादरलैंड) से राष्ट्रीयता की परिभाषा थी। वही मालवीय नैतिक-सांस्कृतिक पुनरुत्थान और आधुनिकता के संतुलन का सुधारवादी सनातनी विचार लिए हुए थे। सावरकर के लिए गाय उपयोगी पशु थी, मालवीय के लिए पूज्य।

जाहिर है गांधी, सावरकर और मालवीय—तीनों के भारत में वह था जो आज के मोदी-शाह और संघ परिवार के राम-नाम वाले कथित हिंदू राष्ट्र में कतई नहीं है। सवाल है ऐसा कैसे हुआ? कैसे यह नौबत की हिंदुओं के मूल सनातन सत्य, धर्म, बुद्धिवाद-विज्ञान, सर्वधर्म समभाव की जगह झूठ, अंधविश्वास, अनैतिक राजनीति, जातिय-धर्म कलह के जाहिल कथित हिंदू राष्ट्र में आमजन सांस ले रहा है? मेरा दो टूक जवाब है—लेफ्ट ने पहले भारत की सभ्यतागत राजनीति को असहज और संदिग्ध बनाया। फिर उसी से, अंतत: प्रतिक्रिया में संघ-भाजपा का हिंदू, राम पर एकाधिकार बना।

मतलब कम्युनिस्ट- वामपंथी के प्रभाव में कांग्रेस (नेहरू से शुरू) की सेकुलर अतिशयता बनी। धर्मनिरपेक्षता का वह बेसुरा राग बना जिसने लोकमानस में जहर घोला। हिंदू बनाम मुस्लिम, पहचान की राजनीति, जातिवाद वोट की आवश्यकता बनी और बनाई। इसकी अतिशयता ने हिंदुओं को लाठीधारी संघ की ओर धकेला। और फिर संघ तथा नरेंद्र मोदी-अमित शाह-योगी की अतिशयता ने हिंदूओं को ऐसा अचेतन, कुंभकर्णी बनाया जो यह भी सुध नहीं कि मनुष्य धर्म की सर्वाधिक प्राचीन सभ्यता-संस्कृति में सत्यमेव जयते क्या था? सर्वधर्म समभाव क्या था और वह क्या था जिसके अजूबे में इकबाल ने भी लिखा था सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तां हमारा मेरा मानना है कि इस सबके लिए जिम्मेवार देशी कम्युनिस्ट और वामपंथ है। भारत में वामपंथियों ने न केवल गांधी, उनके राम, और रामराज्य को नकारा बल्कि हर बात के लिए उस सनातनी जनमानस की बखिया उधेड़ी जो एक तरह से उसकी सभ्यता- संस्कृति-आस्था पर जूता मारना था। सोचे, जब सभ्यता-देश विशेष के मूलवासियों, बहुसंख्यको को ही यदि सांप्रदायिक करार दिया जाए, सरकार उसकी माईबाप बने और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) में 'संसाधनों पर पहला हक़ मुसलमानों' जैसे वाक्य बोले तो इन सबकी अतिशयता का कुल जमा प्रभाव लोकमानस में क्या बनेगा? तब यह सोचना ही बेवकूफी है कि हिंदुस्तां के हिंदु अपने आपको असुरक्षित न माने। घर-घर मुसलमानों की चिंता न बैठ जाए। तभी कोई न माने इस बात को लेकिन मेरा मानना है कि 1947 के पहले हजार साला गुलामी के इतिहास में भी सनातनी मानस इतना डरा हुआ, असुरक्षित अपने को नहीं समझता रहा होगा जितना आज है, स्वतंत्र भारत में हो गया है!

यह संघ प्रोपेगेंडा की वजह से नहीं है बल्कि उस कांग्रेस की वजह से है जिसने 1947 से पहले निडरता, सर्व-धर्म समभाव का आत्मविश्वास दिखाया था। एओ ह्यूम की बनाई कांग्रेस में ढेरों कमियां थी लेकिन तिलक, जिन्ना, गोखले, मोतीलाल नेहरू, गांधी, सुभाष बोस, सरदार पटेल, नेहरू, डा राजेंद्रप्रसाद, मौलाना आजाद मोटामोटी आत्मविश्वासी, निर्भयी, सर्वधर्म समभाव के सनातनी भाव में लोगों को जोडने वाले थे। कांग्रेस ने ज्यादा ही आत्मविश्वास दिखाया था इसलिए 1937 के बाद विभाजन की और जिन्ना व मुसलमान बढ़े। उसका आधार क्या था? उस साझा आत्मविश्वास का आधार धर्मों-जातियों का वह अनुभव था जिसमें जिसमें लाटसाहब जैसे अंग्रेज समाज में अब्दुला की शादी में बेगाने थे।

पूरा विषय विशाल है। कई पुस्तके लिखी जा सकती है। बुनियादी बात 1947 के बाद भारत की अपनी सीमा में आम हिंदू मनोभावों का सफर है। 1947 से 2026 की हिंदुओं की मोटामोटी पांच-छह पीढियों का अनुभव है। वह बहुत खराब रहा। तभी चौदह प्रधानमंत्री, चौदह सरकारों के निचोड़ में सनातनी, धर्म-जीवन पद्धति अब उस हिंदू में कनवर्ट में है जिसकी मुख्य चिंता मुसलमान है।

उसी से भय, असुरक्षा तथा पराश्रय है। और यह नरेंद्र मोदी-अमित शाह-योगी आदित्यनाथ, संघ की वह राजनैतिक ताकत है जिससे आगे कांग्रेस हो या वामपंथी या क्षेत्रिय दल सभी हर मायने में लगातार लाचार है। कैसे इतनी लाचारगी? सोचे, कॉकरोच, जंतरमंतर आंदोलन, जनरेशन जेड की इस्टाग्राम-सोशल मीडिया पर प्रभुता के आम मायने क्या है? मोटामोटी नरेंद्र मोदी-अमित शाह, योगी, भाजपा- संघ की हवा बिगड़ने की वास्तविकताएं। मगर पहली बात, क्या ये राहुल गांधी, अखिलेश या प्रशांत किशोर, तेजस्वी यादव आदि की बदौलत है? कतई नहीं।

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आप कारोबार से रिलेटेड कुछ परिवर्तन कर सकते हैं, जो आपको लॉन्ग टर्म में बेनिफिट देंगे। आज आप परिवार के साथ धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे और कुछ समय बिताएंगे, जिससे आपके मन को शांति मिलेगी।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आप ऑफिस में नए प्रोजेक्ट को लेकर स्टाफ के साथ डिस्कशन कर सकते हैं, जिससे आपको बेहतरीन सुझाव मिलेंगे। आज आप कोर्ट-कचहरी के मामलों में अपने दोस्त से मदद ले सकते हैं, जिससे सब जल्द ही सुलझ जाएगा।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आप पेंडिंग कार्यों को पूरा करने के साथ-साथ नए टारगेट भी बना लेंगे। आज आप दूसरों से उम्मीद करने के बजाय अपनी मेहनत और क्षमता पर विश्वास रखेंगे, तो काम सुचारू रूप से बनते जाएंगे।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपका आत्मविश्वास बरकरार रहेगा, जिसकी वजह से आपके अधिकतर काम निपट जाएंगे। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा और आप अपने सपनों को पूरा करने में सफल रहेंगे। आज घर में शुभ समाचार मिलने की संभावना है, आपको दांपत्य जीवन का सुख मिलेगा।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए खुशी से भरा रहेगा। आज आप पिता के साथ कारोबार में हाथ बटाएंगे, जिससे उन्हें बेहद खुशी मिलेगी। आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे, जिससे आपका सामाजिक दायरा और सम्मान बढ़ेगा।

कन्या राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज अपने बिजनेस को बढ़ाने को लेकर किसी एक्सपर्ट की राय लेना आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आप सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे, जिससे आपकी सामाजिक छवि अच्छी बनेगी। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिनका लाभ उठाकर आप जीवन में आगे बढ़ सकते हैं।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए लाभदायक बना रहेगा। आज आप बिजनेस में अच्छा धन लाभ कमाएंगे और आपके व्यावसायिक रिश्ते मजबूत बनेंगे। आज आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा और संतान पक्ष से खुशखबरी मिलने की संभावना है। आज आपके द्वारा लिए गए निर्णय सकारात्मक और फायदेमंद रहेंगे।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने की संभावना है, आपके काम से बॉस बहुत खुश होंगे। आज आप बच्चों की समस्याओं का समाधान निकालने के लिए कुछ समय उनके साथ जरूर बिताएं। आज कोई भी पेपर वर्क करते समय पहले अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें, यह आपके लिए बेहतर होगा।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज इस राशि के टेक्सटाइल इंडस्ट्री से जुड़े व्यक्तियों के लिए लाभ का दिन है, आपको बड़े ऑर्डर मिल सकते हैं। आज प्रॉपर्टी से जुड़ी समस्याओं में थोड़ी भागदौड़ के उपरांत काम बन जाएगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक बना रहेगा। आज आप अपनी दिनचर्या में कुछ बदलाव कर सकते हैं, जिससे आपका काम ज्यादा प्रभावी और बेहतर आउटपुट देने वाला होगा।

कुंभ राशि: आज का दिन कार्यक्षेत्र में तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आज आप बिजनेस में बड़ा लाभ कमाएंगे और आपके व्यापार की ग्रोथ बढ़ेगी। आज कुछ समय व्यावहारिक और प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ व्यतीत करने से आपके स्वभाव में पॉजिटिव बदलाव आएगा।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए उत्साह से भरा रहेगा। आज आपको नौकरी के लिए किसी मल्टीनेशनल कंपनी से ऑफर आ सकता है, जिससे आपकी तरक्की की राह आसान हो जाएगी। आज आप कुछ समय एकांत अथवा आध्यात्मिक स्थल पर जरूर व्यतीत करें, इससे आपका मन शांत होगा।

शब्दों पर पहरा नहीं, फिर भी आवाज़ें कम क्यों होती जा रही हैं?

[सवाल वही है—आवाज़ किसकी और फैसला किसका?]

[सेंसरशिप का नया शिष्टाचार: रोकिए मत, बस दिखाई मत दीजिए]

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

आपने सच लिखा, किसी ने झूठ नहीं कहा—बस आपकी आवाज को रास्ते से हटा दिया। यही डिजिटल दौर की नई विडंबना है। मेटा के फेसबुक और इंस्टाग्राम पर अभिव्यक्ति का मंच खुला है, लेकिन आपकी बात कितनी दूर जाएगी, यह 'कम्युनिटी स्टैंडर्ड' तय कर सकता है। सरकार की नीति पर सवाल, किसी फैसले की आलोचना या व्यवस्था की कमी सामने रखते ही पोस्ट हट सकती है, पहुंच घट सकती है और अकाउंट प्रतिबंधित हो सकता है। फिर एक संदेश आता है—'आपकी सामग्री हमारे नियमों के विरुद्ध है।' मगर नियम किसने बनाए, किस आधार पर लागू हुए और फैसला किसने सुनाया—इसका जवाब देने वाला कोई दिखाई नहीं देता। डिजिटल दरबार में अभिव्यक्ति की आज़ादी का फैसला किसके हाथ में है? अगस्त 2026 में पत्रकारों, राजनेताओं, स्वतंत्र टिप्पणीकारों और कुछ राजनीतिक संगठनों के पोस्ट व अकाउंट्स पर कार्रवाई ने गंभीर सवाल खड़े किए। मुद्दा पोस्ट हटने का नहीं, पारदर्शिता का है। नागरिक को पता होना चाहिए कि उसकी अभिव्यक्ति किस नियम की किस धारा से टकराई। मगर यहाँ फैसला पहले आता है, कारण बाद में भी आए तो कृपा समझिए। निर्णय स्वचालित प्रणाली, स्थानीय टीम या कानूनी अनुरोधों के दबाव में हुआ—स्पष्ट नहीं। आईटी नियमों और सरकारी अनुरोधों का जिक्र है, फिर भी पारदर्शिता कम है। मेटा के डेटा के अनुसार भारत में नफरत वाली सामग्री पर प्रोएक्टिव कार्रवाई वैश्विक औसत से कम रही है। सवाल है—एल्गोरिदम अंधा है या उसकी आँखों पर सुविधा का चश्मा है? पहले सेंसरशिप सामने थी, अब स्क्रीन के पीछे है। किताब जब्त होती थी, अखबार रोका जाता था, छपाई पर पहरा होता था। विरोध करने वाला जानता था कि सामने कौन है। डिजिटल युग में सेंसरशिप अभिवादन करके आती है। पोस्ट रहती है, पर पहुँच गायब हो जाती है। अकाउंट चलता है, पर लोग देख नहीं पाते। लेखक लिखता रहता है और इंटरनेट को व्यस्त समझता है। इसे 'शैडोबैन', 'रिस्ट्रिक्शन' या तकनीकी नाम दें; नतीजा एक है—आवाज मौजूद होकर भी सार्वजनिक नहीं रहती। यह उस लेखक जैसा है जिसकी किताब छपे, पर सारी प्रतियाँ गोदाम में बंद रहें। आपको बोलने दिया जाता है, बस आपकी बात सुनाई नहीं देती।वैश्विक नियमों की असली परीक्षा अलग-अलग देशों में होती है। मेटा की नीतियां वैश्विक हैं, पर 'समान न्याय' का सवाल बना रहता है। अलग राजनीतिक-सामाजिक परिस्थितियों में इनका लागू होना एक जैसा नहीं। अमेरिका में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और भारत में सरकार, समाज व कानून के दबाव की वास्तविकता अलग है। भारत के आईटी नियम प्लेटफॉर्म पर दबाव डाल सकते हैं, सरकार वैधानिक शक्ति इस्तेमाल कर सकती है और प्लेटफॉर्म कारोबारी हित व नियामकीय जोखिम देखता है। सबसे कमजोर नागरिक है—न मंत्रालय, न अरबों डॉलर की कंपनी, न एल्गोरिदम की चाबी। उसके पास केवल एक पोस्ट है—कभी-कभी वह भी नहीं बचती।मंच वही सार्थक है, जहाँ हर आवाज को जगह मिले। मेटा स्वयं को अभिव्यक्ति का मंच कहता है। मंच पर सहमति और असहमति—दोनों सुनाई देनी चाहिए। लेकिन जब मंच का मालिक तय करने लगे कि कौन-सी आलोचना स्वीकार्य है और कौन-सी नहीं, तो वह संपादक, निर्णायक और प्रहरी—तीनों बन जाता है। 'हेट स्पीच' और 'गलत सूचना' रोकना जरूरी है; हिंसा और घृणा को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं कहा जा सकता। लेकिन सत्ता की आलोचना को उसी श्रेणी में रखना लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। कसौटी यही है कि नियम सत्ता समर्थक और सत्ता विरोधी—दोनों पर समान लागू हों। यदि तराजू हर बार दबाव की ओर झुके, तो न्याय की परिभाषा बदल देना सबसे आसान रास्ता है।सेंसरशिप की सबसे बड़ी जीत पोस्ट हटाना नहीं, लिखने से पहले हाथ रोक देना है। जब पत्रकार को सवाल पूछने पर अकाउंट बंद होने का डर हो, टिप्पणीकार को तीखी बात लिखना डिजिटल आत्महत्या लगे और नागरिक को पहुँच घटने का भय हो, तब सेंसरशिप सफल है। फिर सेंसर को कुछ करने की जरूरत नहीं; नागरिक अपने भीतर ही सेंसर बिठा लेता है। यही आत्म-सेंसरशिप लोकतंत्र को भीतर से खोखला करती है। लोग वही लिखते हैं जो सुरक्षित है, वही कहते हैं जो स्वीकार्य है और धीरे-धीरे सार्वजनिक बहस में असहमति की जगह प्रशंसा का शोर भर जाता है। चुप समाज बाहर से शांत, भीतर से लोकतांत्रिक रूप से बीमार होता है।

निजी स्वामित्व अधिकार देता है, जवाबदेही से छूट नहीं। मेटा निजी कंपनी है, इसलिए सामग्री हटाने का अधिकार रखती है—लेकिन यह आधा सच है। जब करोड़ों नागरिकों की बातचीत निजी प्लेटफॉर्मों पर निर्भर हो, तो उनकी सामाजिक जिम्मेदारी भी बढ़ती है। संविधान ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नागरिक को दी है, एल्गोरिदम को नहीं। इसलिए पारदर्शिता, निष्पक्ष अपील और स्वतंत्र निगरानी जरूरी है। हर कार्रवाई का कारण बताया जाए, प्रभावी अपील मिले और जांच हो कि नियम सभी पर समान लागू हैं या नहीं। अदालतों और नियामकों को डिजिटल सत्ता समझनी होगी, क्योंकि न्याय पीछे रहा तो कई आवाजें फैसला आने से पहले ही इतिहास बन जाएंगी।

K K

राष्ट्रीय समाचार

रविवार, 13 सितम्बर 2026,सीहोर

दैनिक क्षितिज किरण 5

11 हजार की सैलरी, 5 मकान और अपना पर्सनल ड्राइवर, PNB के 17 करोड़ के जाली नोट कांड में लोडर के ठाठ देख NIA भी हैरान

सहारनपुर (ए.)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर स्थित पंजाब नेशनल बैंक (PNB) के करेंसी चेस्ट से 17.29 करोड़ के जाली नोट मिलने के मामले में सनसनीखेज खुलासे हो रहे हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) और पुलिस की पड़ताल में अब बैंक का एक संविदा कर्मचारी केंद्र में आ गया है, जो महज 11,000 प्रति माह की सैलरी पर ड्राइवर-लोडर का काम करता था। जांच एजेंसियों का दावा है कि करेंसी चेस्ट के निलंबित मैनेजर अमित कुमार और इस संविदा कर्मचारी के गठजोड़ से ही असली भारतीय करेंसी को नकली नोटों से बदला गया। मुख्य आरोपी मैनेजर को एनआईए चंडीगढ़ से पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। जांच के दौरान संविदा कर्मचारी की आय और उसकी बेहिसाब दौलत देखकर अधिकारी दंग रह गए। शुरुआती जांच में सामने आया है कि 11,000 महीना कमाने वाला यह लोडर 5 मकानों, एक लग्जरी SUV, एक सेडान कार और दो बाइकों का मालिक है। इतना ही नहीं, वह खुद गाड़ी चलाने के बजाय 500 रोजाना की दिहाड़ी पर अपना निजी ड्राइवर रखता था। पुलिस और एनआईए की टीम ने उसके जनकपुरी/मानकमऊ स्थित ठिकानों पर छापेमारी कर जमीन-जायदाद के दस्तावेज, बैंक खातों की पासबुक और लग्जरी गाड़ियों के कागजात जब्त किए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के कड़े नियमों के तहत बैंक का करेंसी चेस्ट अति-संवेदनशील क्षेत्र होता है, जहां सामान्य कर्मचारियों की एंट्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहती है। कागजों में आरोपी का काम केवल कैश वैन चलाना और नोटों के बक्सों की लोडिंग-अनलोडिंग करना था।

केदारनाथ पैदल मार्ग पर गिरा मलबा-पत्थर, चीरबासा के पास रास्ता अवरुद्ध; सोनप्रयाग-गौरीकुंड में रोकी गई यात्रा

रुद्रप्रयाग (ए.)। केदारनाथ पैदल मार्ग पर चीरबासा हैलीपैड के समीप शनिवार सुबह मलबा और पत्थर आने से मार्ग एक बार फिर अवरुद्ध हो गया। गत रात हुई बारिश के कारण पहाड़ी से

मलबा और पत्थर रास्ते पर आ गए, जिससे केदारनाथ धाम जाने वाले यात्रियों की आवाजाही प्रभावित हुई है। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह दूरभाष के माध्यम से जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र को मार्ग अवरुद्ध होने की सूचना मिली। इसके बाद केंद्र की ओर से डीडीएमए गुप्तकाशी के जेई को इसकी जानकारी दी गई। जेई ने बताया कि क्षेत्र में फिलहाल बारिश जारी है। मौसम सामान्य होने के बाद मार्ग से मलबा और पत्थर हटाने का कार्य शुरू किया जाएगा।सुरक्षा के दृष्टिगत प्रशासन ने केदारनाथ धाम जाने वाले यात्रियों को फिलहाल सोनप्रयाग और गौरीकुंड में रोक दिया है। मार्ग सुचारु होने के बाद ही यात्रियों को आगे भेजा जाएगा। प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे मौसम और पैदल मार्ग की स्थिति को देखते हुए धैर्य बनाए रखें तथा प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों का पालन करते हुए सहयोग करें।

अब चार तरह से कचरे का बंटवारा जरूरी, नहीं मानने पर लगेगा जुर्माना

चेन्नई (ए.)। ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन (जीसीसी) ने शहर भर में कचरे को उसके स्रोत पर ही अलग-अलग करना अनिवार्य कर दिया है। इसका मकसद कचरा प्रबंधन को मजबूत करना और

लैंडफिल तक पहुंचने वाले कचरे की मात्रा को कम करना है। यह नियम सभी पर लागू होगा, जिसमें निजी घर, अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स, दुकानें, कमर्शियल संस्थान, स्कूल-कॉलेज, सरकारी दफ्तर और बड़ी मात्रा में कचरा पैदा करने वाले संस्थान शामिल हैं। निगम ने चेतावनी दी है कि ठोस कचरा प्रबंधन नियम, 2026 का पालन न करने पर जुर्माना और नगरपालिका कानूनों के तहत कार्रवाई हो सकती है।निवासियों और संस्थानों को कचरा कलेक्शन के लिए आने वाले सफाई कर्मचारियों को सौंपने से पहले उसे चार कैटेगरी में बांटना होगा।गीला कचरा के लिए हरा डिब्बा, कागज, प्लास्टिक, धातु, कांच और अन्य रिसाइकिल होने वाला सूखा कचरा के लिए नीला डिब्बा का इस्तेमाल करना होगा।लाल डिब्बा में सैनिटरी कचरा, जिसमें इस्तेमाल किए हुए डायपर और सैनिटरी नैपकिन शामिल हैं, इसे सुरक्षित तरीके से लपेटकर डालना होगा।घरेलू खतरनाक कचरा, जैसे बैटरी, बिजली के बल्ब, इलेक्ट्रॉनिक कचरा, एक्सपायर्ड दवाएं और केमिकल के लिए काला डिब्बा का इस्तेमाल करना होगा। अलग किए गए कचरे को ले जाने के दौरान डोर-टू-डोर कलेक्शन में इस्तेमाल होने वाले बैटरी वाले वाहनों में भी चार रंगों के कंटेनर लगाए गए हैं। सभी 200 वार्डों के सफाई कर्मचारियों को निर्देश दिया गया है कि वे केवल वही कचरा लें जो स्रोत पर सही तरीके से अलग किया गया हो। यह आदेश दक्षिणी चेन्नई में शुरू की गई एक बड़ी जागरूकता पहल के बाद आया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आबू धाबी के क्राउन प्रिंस से की मुलाकात, भारत-यूएई संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा

नई दिल्ली,,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर आबू धाबी के क्राउन प्रिंस महामहिम शेख खालिद बिन मोहम्मद से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की।

बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी के महत्व को दोहराया। यह साझेदारी मजबूत राजनीतिक, सांस्कृतिक, वाणिज्यिक और ऊर्जा संबंधों के साथ-साथ दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संपर्क पर आधारित है। दोनों नेताओं ने जनवरी 2026 में यूएई के राष्ट्रपति महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की भारत यात्रा तथा मई 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूएई यात्रा को भी याद किया।

ब्रिक्स में यूएई की भूमिका की सराहना

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स में यूएई की सक्रिय और रचनात्मक भागीदारी की सराहना की। दोनों नेताओं ने भारत की अध्यक्षता के दौरान ब्रिक्स के तहत हुए सकारात्मक परिणामों का स्वागत किया। उन्होंने इस बात पर सहमति जताई कि दोनों देश साझा हितों और

प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने तथा ब्रिक्स सहयोग को और मजबूत करने के लिए इस मंच के माध्यम से मिलकर काम करते रहेंगे।

बैठक में दोनों नेताओं ने भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय संबंधों में विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति को भी रेखांकित किया। उन्होंने यूएई की इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी द्वारा ओडिशा में 11.5 अरब अमेरिकी डॉलर की एकीकृत ग्रीनफील्ड एल्युमिनियम परियोजना के विकास में निवेश करने की घोषणा का सकारात्मक स्वागत किया।यह भारत के एल्युमिनियम क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा एकीकृत निवेश बताया गया है। इस परियोजना से ओडिशा को वैश्विक एल्युमिनियम विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

दोनों नेताओं ने माना कि यूएई के नवीनतम संप्रभु निवेश कोष के रूप में लइमाद भारत-यूएई साझेदारी को पारस्परिक लाभ के लिए और गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके अलावा दोनों पक्षों ने रक्षा, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और नवाचार सहित रणनीतिक तथा उभरते क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की।बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने नियमित उच्च-स्तरीय संपर्क की परंपरा और पीढ़ीगत निरंतरता की भी पुनर्पुष्टि की। दोनों पक्षों ने माना कि यह निरंतर उच्चस्तरीय संवाद भारत और यूएई के बीच लंबे समय से चले आ रहे और मजबूत संबंधों का महत्वपूर्ण आधार है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बोधगया में महाबोधि महाविहार के प्रबंधन से जुड़े महाबोधि महाविहार मंदिर अधिनियम, 1949 में संशोधन की मांगों पर चर्चा करने के लिए बौद्ध भिक्षुओं के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले से मुलाकात की।

शादीशुदा प्रेमिका से मिलने पहुंचा था प्रेमी, परिजनों ने रस्सियों से उल्टा बांधकर पीटा

सहारनपुर(ए.)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में विवाहिता से मिलने उसके घर पहुंचे एक युवक के साथ कथित तौर पर अमानवीय व्यवहार किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि महिला के परिजनों ने युवक को पकड़कर रस्सियों से बांधा और उल्टा लटकाकर उसकी पिटाई की। घटना का वीडियो करीब 10 दिन बाद सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, मिर्जापुर थाना क्षेत्र के मिर्जापुर पोल गांव का रहने वाला एक युवक रात करीब 11:30 बजे पड़ोसी गांव में रहने वाली एक विवाहिता से मिलने उसके घर पहुंचा था। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच काफी समय से प्रेम संबंध था और महिला के परिजनों को भी इसकी जानकारी थी। युवक के घर पहुंचने की भनक लगते ही परिजनों ने उसे पकड़ लिया।आरोप है कि इसके बाद युवक को रस्सियों से बांधकर उल्टा लटका दिया गया और उसके साथ मारपीट की गई। बाद में उसे रस्सियों के सहारे लकड़ी की बल्ली से बांध दिया गया। इस दौरान मौके पर काफी लोग जमा हो गए और किसी व्यक्ति ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया।

पुलिस ने पहले की थी शांतिभंग की कार्रवाई

घटना की सूचना मिलने पर सुबह मिर्जापुर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को थाने ले गई। पुलिस के मुताबिक, उस समय दोनों पक्षों के बीच थाने के बाहर ही समझौता हो गया था और किसी पक्ष ने लिखित शिकायत नहीं दी थी। इसके बाद युवक के खिलाफ शांतिभंग की धाराओं में कार्रवाई की गई थी।

30 की उम्र में क्यों रिटायर हुए राष्ट्रपति के ADC? मेजर ऋषभ सांब्याल ने शादी की अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली (ए.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ साये की तरह मुस्तैद दिखने वाले उनके एडीसी मेजर ऋषभ सिंह सांब्याल ने महज 30 साल की उम्र में सेना से अचानक रिटायरमेंट लेकर

सबको चौंका दिया था। हर कोई यह जानना चाह रहा था कि करियर के इतने अहम मुकाम पर उन्होंने यह बड़ा फैसला क्यों लिया। अब खुद मेजर ऋषभ ने एक पॉडकास्ट में खुलकर अपनी दिल की बात रखी है और उन कारणों का खुलासा किया है, जिसके चलते उन्हें अपनी प्यारी वर्दी को अलविदा कहना पड़ा।

'सपना वर्दी का था, लेकिन परिवार को चुना'

मेजर ऋषभ सांब्याल ने बताया कि भारतीय सेना की वर्दी पहनना उनके जीवन का सबसे बड़ा सपना था, जिसे पूरा करने के लिए उन्होंने अपनी जिंदगी के 10 साल समर्पित कर दिए थे। उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह इस तरह सेवा छोड़ेंगे। लेकिन जीवन के एक मोड़ पर वह ऐसे दोराहे पर आ खड़े हुए, जहां एक तरफ उनका सपना और करियर था, तो दूसरी तरफ बुजुर्ग माता-पिता के प्रति उनकी पारिवारिक जिम्मेदारियां। काफी सोच-विचार और परिवार के साथ लंबी बातचीत के बाद उन्होंने अपने करियर के बजाय माता-पिता की देखभाल को प्राथमिकता दी और रिटायरमेंट का कठिन फैसला लिया।

ब्रिक्स देशों ने नई दिल्ली घोषणा को सर्वसम्मति से दी मंजूरी, पीएम मोदी ने जारी किए 2 डाक टिकट

झनई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान दिल्ली घोषणा को अपनाने का प्रस्ताव रखा गया। इसे सर्वसम्मति से मंजूर कर दिया गया। इसके साथ ही पीएम ने समूह की स्थापना के 20 वर्ष पूरे होने के अवसर पर दो डाक टिकट जारी किए। नई दिल्ली घोषणा का प्रस्ताव रखते हुए पीएम मोदी ने कहा, किसी भी सदस्य ने कोई आपत्ति नहीं जताई है। नई दिल्ली घोषणा-2026 को सर्वसम्मति से मंजूरी दी जाती है। समापन संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि हमने इस बात पर भी बल दिया कि फ्यूचर की टेक्नोलॉजी और उसकी जांच में ग्लोबल साउथ की हिस्सेदारी होनी चाहिए। निर्णयों और उनके परिणामों के बीच जो दूरी बनी हुई है, उसमें राजभवन और सामूहिक कार्रवाई से काम करना होगा। आज अपनाया गया नई दिल्ली घोषणापत्र साझा हमारे संकल्प को स्पष्ट दिशा देता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देशों के विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन ब्रिक्स सहयोग के लिए काम करने की प्रतिबद्धता साफ है। बदलते विश्व को पुराने संस्थानों के भरोसे नहीं चलाया जा सकता। वैश्विक संस्थाओं में प्रतिनिधित्व, काम करने के तरीके और नियम बनाने की प्रक्रिया में सुधार जरूरी है। हमने भविष्य की तकनीक और निर्माण में ग्लोबल साउथ की भागीदारी होनी चाहिए। ब्रिक्स देशों को अपने निर्णयों और परिणामों के बीच की दूरी खत्म करने के लिए मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि आज अपनाई गई नई दिल्ली घोषणा ब्रिक्स के आगे बढ़ने की दिशा साफ करती है। अब इन फैसलों को जमीन पर उतारकर ठोस नतीजे देने की जिम्मेदारी सभी देशों की है। निर्णयों और परिणामों के बीच दूरी को दूर करने के लिए साझेदारी और जिम्मेदारी से काम करना होगा। हमारी जिम्मेदारी है कि इन निर्णयों को परिणामों में बदलें।

बैरियर फ्री टोलिंग की ओर बढ़ा भारत, नए नियमों की होगी शुरुआत, गडकरी ने बताया प्लान

नई दिल्ली(ए.)। राष्ट्रीय राजमार्गों पर सफर करने वाले वाहन चालकों को जल्द ही टोल प्लाजा पर रुकने की झंझट से मुक्ति मिल सकती है। केंद्र सरकार देश में पूरी तरह डिजिटल और बैरियर-फ्री टोलिंग व्यवस्था लागू करने की तैयारी में है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 में कहा कि एआई आधारित नई टोलिंग प्रणाली फरवरी-मार्च 2027 तक लागू होने की उम्मीद है। इस व्यवस्था के लागू होने के बाद वाहनों को टोल प्लाजा पर रुकने की जरूरत नहीं होगी। वाहन की नंबर प्लेट की स्वचालित पहचान और फास्टैग के माध्यम से टोल राशि अपने आप वसूल की जाएगी। इससे टोल प्लाजा पर लगने वाला इंतजार लगभग समाप्त हो जाएगा और हाईवे पर यातायात अधिक सुगम होगा।गडकरी ने कहा कि एआई और निर्बाध टोलिंग के माध्यम से भारत टोल प्लाजा पर रुकने की पुरानी व्यवस्था को समाप्त करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। भविष्य के राजमार्ग स्मार्ट, बाधा-मुक्त और पूरी तरह कैशलेस होंगे।

जिनपिंग के भारत दौरे से पहले बड़ा ऐलान, 6 साल बाद फिर शुरू होगी भारत-चीन के बीच सीधी उड़ान

बीजिंग/नई दिल्ली (ए.)। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के भारत दौरे से पहले भारत और चीन के बीच हवाई संपर्क को लेकर बड़ा कदम उठाया गया है। चाइना सदर्न एयरलाइंस ने छह साल बाद ग्वांगझू-नई दिल्ली के बीच नियमित यात्री उड़ानें फिर शुरू करने का ऐलान किया है। एयरलाइन के मुताबिक, 21 सितंबर से इस मार्ग पर नियमित उड़ान सेवा बहाल कर दी जाएगी।एयरलाइन ने बताया कि ग्वांगझू-नई दिल्ली सेवा की बहाली के बाद दक्षिण एशिया में उसके आठ राउंड-ट्रिप मार्गों पर कुल संचालन प्रति सप्ताह 100 से अधिक उड़ानों तक पहुंच जाएगा। ग्वांगझू और नई दिल्ली के बीच हवाई सेवा पिछले छह वर्षों से निलंबित थी।हाल के महीनों में भारत और चीन के बीच हवाई संपर्क में लगातार सुधार देखने को मिला है। अप्रैल में एयर चाइना ने बीजिंग-दिल्ली सेवा दोबारा शुरू की थी। वहीं, चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस ने 18 अप्रैल को कुनमिंग-कोलकाता के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू की थीं।भारतीय विमानन कंपनी इंडिगो ने भी 30 मार्च से कोलकाता-शंघाई के बीच दैनिक नॉन-स्टॉप उड़ान सेवा शुरू की थी। इससे पहले इंडिगो ने कोलकाता-ग्वांगझू सेवा बहाल की और बाद में दिल्ली से भी ग्वांगझू के लिए उड़ानें शुरू की थीं।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर शी चिनफिंग 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए शनिवार को बीजिंग से नई दिल्ली के लिए रवाना हुए। भारत पहुंचने के बाद शी चिनफिंग की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी प्रस्तावित है।चीनी राष्ट्रपति के प्रतिनिधिमंडल में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के राजनीतिक ब्यूरो की स्थायी समिति के सदस्य और सामान्य कार्यालय के निदेशक काई क्यूई तथा चीनी विदेश मंत्री वांग यी शामिल हैं।सिन्हुआ के मुताबिक, बिश्केक में हुए शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में रखे गए अपने विचारों को आगे बढ़ाते हुए शी चिनफिंग ब्रिक्स बैठक में ग्लोबल साउथ के देशों के बीच सहयोग को लेकर नए प्रस्ताव पेश कर सकते हैं।ब्रिक्स उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए व्यापार, वित्त, प्रौद्योगिकी, विकास और वैश्विक शासन जैसे मुद्दों पर समन्वय का प्रमुख मंच बन चुका है।

तड़के 4 बजे घर के आंगन में दिखा 8 फीट का विशालकाय मगरमच्छ, मची चीख-पुकार; 3 घंटे तक चला रेस्क्यू ऑपरेशन

शाहजहांपुर (ए.)। बारिश के मौसम में नदियों के उफान पर आने से जलीय जीवों का रिहायशी बस्तियों की ओर रुख करने का सिलसिला जारी है। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में शुक्रवार तड़के उस वक्त

भीषण दहशत फैल गई, जब एक ग्रामीण के घर के अंदर अचानक 8 फीट लंबा विशालकाय मगरमच्छ घुस आया। आंगन में रेंगते इतने बड़े मगरमच्छ को देखते ही परिजनों के होश उड़ गए और पूरे गांव में हड़कंप मच गया।

घटना तिलहर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव की है, जहां शुक्रवार तड़के करीब 4 बजे रामपाल के परिजन जब जागे तो उन्होंने आंगन में एक भारी-भरकम मगरमच्छ को मौजूद पाया। खौफनाक मंजर देखते ही घर में चीख-पुकार मच गई। परिजनों का शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण लाठी-डंडे और टॉर्च लेकर तुरंत मौके पर दौड़ पड़े। अंधेरे में टॉर्च की रोशनी से मगरमच्छ की हर हरकत पर लगातार नजर रखी गई। गनीमत यह रही कि इस दौरान मगरमच्छ ने परिवार के किसी सदस्य पर हमला नहीं किया।ग्रामीणों ने बिना वक्त गंवाए घटना की सूचना स्थानीय पुलिस और वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की रेस्क्यू टीम आवश्यक उपकरणों के साथ मौके पर पहुंच गई। मगरमच्छ का आकार काफी बड़ा और आक्रामक होने के कारण उसे काबू में करना आसान नहीं था। करीब 3 घंटे तक चले जोखिम भरे रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान टीम ने सबसे पहले मगरमच्छ के मुंह पर कपड़ा डालकर उसकी आंखों को ढका, जिससे वह शांत हुआ।

फिलीपींस नाव हादसाः जली हुई यात्री नौका से बरामद हुए और शव, मृतकों की संख्या 76 हुई; 13 अब भी लापता

कोरोन (ए.)। फिलीपींस में आग से पूरी तरह जल चुकी यात्री नौका से बचावकर्मियों ने शनिवार को और शव बरामद किए। इसके साथ ही हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 76 हो गई है। 13 लोग अब भी लापता हैं। नौका में सवार 132 लोगों में से 43 लोग बुधवार रात लगी आग से बच गए थे।

यह नौका राजधानी मनीला से रवाना हुई थी और दक्षिण-पश्चिमी पालावान प्रांत के कोरोन में अपने गंतव्य से करीब 39 किलोमीटर दूर थी, तभी इसमें आग लग गई।

नाव में कैसी लगी आग?

आग लगने की वजह अभी तय नहीं हो सकी है। तटरक्षक बल की प्रवक्ता ने एक जीवित बचे व्यक्ति के हवाले से बताया

कि आग संभवत: सामान रखने वाले हिस्से से शुरू हुई थी। अधिकारियों के मुताबिक, जीवित बचे व्यक्ति ने बताया कि उसने एक विस्फोट जैसी आवाज सुनी थी। इसके बाद धुआं और आग तेजी से फैल गई। हवा के कारण आग और तेजी से फैलती चली गई। कोरोन के बोराक बंदरगाह पर तंबू लगाए गए हैं। जिस जहाज से शवों को नौका से निकालकर लाया गया, उससे शवों से भरे बैग बंदरगाह पर उतारे गए। तटरक्षक बल की प्रवक्ता कमोडोर नोएमी कयाबयाब ने बताया कि अधिकारी नौका के कप्तान की तलाश कर रहे हैं। बताया गया है कि कप्तान हादसे में बच गया था, लेकिन उसका नाम बचे लोगों की सूची में नहीं है।

पीड़ितों ने सुनाया हादसे का भयावह मंजर

तटरक्षक बल ने कहा कि कई एजेंसियों की ओर से समुद्री सुरक्षा और आपराधिक जांच की जाएगी। इसमें सभी संभावित पहलुओं की जांच की जाएगी और कप्तान तथा चालक दल की संभावित जिम्मेदारी भी तय की जाएगी।

22 साल से फ्रीज था भ्रूणः ग्रीस में 54 साल की महिला फिर से बनी मां, पिछले साल खोया था बेटा अब उसी पर रखा नाम

एथेंस (ए.)। अपने सबसे कठिन दौर से उबरते हुए, एक ग्रीक दंपति ने इस सप्ताह जन्मे बच्चे के साथ एक नई शुरुआत की। ऐसा करने के लिए उन्हें क्रिस्टीना रापी-त्जेलेपी के दशकों पुराने भ्रूणों में से एक का उपयोग करना पड़ा। इसके साथ ही सरकारी समय सीमा से पहले ही बच्चे को जन्म देना पड़ा।

क्या है मामला?

अक्तूबर में एक सड़क दुर्घटना में अपने 21 वर्षीय बेटे की मृत्यु के कुछ ही महीनों बाद, अब 54 वर्षीय रापी-त्जेलेपी और उनके पति ने 22 वर्षों से जमे हुए भ्रूण का उपयोग करके एक और प्रयास करने का निर्णय लिया।

राप्टी-त्जेलेपी को महिलाओं के लिए इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) प्रक्रिया पूरी करने और राष्ट्रीय अथॉरिटी से मंजूरी पाने की ग्रीक सरकार की 54 साल की उम्र सीमा का सामना करना पड़ रहा था। जब उन्होंने शुरुआत की, तो समय पहले ही कम पड़ रहा था।

त्जेलेपी ने क्या कहा?

उन्होंने कहा, 'मेरे पास सिर्फ ढाई महीने का समय था। यह तनावपूर्ण था, लेकिन अंदरूनी हिम्मत और हमारे डॉक्टर व उनकी पूरी टीम के साथ होने की वजह से हमने हर मुश्किल का सामना किया। उन्होंने बुधवार को ग्रीस की राजधानी एथेंस में एक बच्ची को जन्म दिया, जिसका वजन 3.49 किलोग्राम था। शुक्रवार को गुलाबी गुब्बारों और फूलों से सजे अस्पताल के कमरे में नए माता-पिता भावुक हो गए।

बांग्लादेश में हिंदू पत्रकार की संदिग्ध मौतः दफ्तर में फंदे से लटका मिला शव, अवामी लीग ने क्यों उठाए सवाल?

ढाका (ए.)। बांग्लादेश के प्रमुख दैनिक अखबार 'समकाल' के न्यूजरूम में एक वरिष्ठ हिंदू पत्रकार का शव मिलने से सनसनी फैल गई है। बरिसल जिले में स्थित अखबार के ब्यूरो कार्यालय में हुई इस घटना ने देश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। शुक्रवार शाम को 'समकाल' के बरिसल ब्यूरो चीफ रहे 57 वर्षीय पुलक चटर्जी का शव दफ्तर के अंदर फंदे से लटकता पाया गया।

घटना की पुष्टि करते हुए बरिसल कोतवाली मॉडल पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी अल मामून-उल इस्लाम ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मौत की असली वजह का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। वहीं, बांग्लादेशी अखबार 'ढाका ट्रिब्यून' ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से लिखा है कि चटर्जी को करीब तीन साल पहले 'समकाल' अखबार से हटा दिया गया था। वह बरिसल प्रेस क्लब के महासचिव पद पर भी रह चुके थे और इससे पहले उन्होंने कई वर्षों तक एक अन्य अखबार 'जुगांतर'के साथ काम किया था। उनके परिवार में पत्नी और एक बेटी हैं।

इस घटना पर राजनीतिक प्रतिक्रिया देते हुए बांग्लादेश की अवामी लीग पार्टी ने शनिवार को आरोप लगाया कि चटर्जी की मौत की परिस्थितियां कई गंभीर सवाल खड़े करती हैं। पार्टी का दावा है कि शव की जो तस्वीर लीक हुई है, उससे साफ पता चलता है कि यह स्वाभाविक मौत या सामान्य आत्महत्या नहीं है। पार्टी ने कहा कि तस्वीर में उनके दोनों पैर जमीन पर टिके हैं, घुटने मुड़े हुए हैं और शरीर लगभग सीधा है। कोई भी व्यक्ति इस तरह फंदे पर लटककर नहीं मर सकता। यह साफ तौर पर एक पूर्वनियोजित साजिश है और इसकी जांच होनी चाहिए कि इसे किसने और क्यों अंजाम दिया। अवामी लीग ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी गठबंधन के 2001 से 2006 के पांच साल के शासन को याद करते हुए कहा कि उस दौर में अल्पसंख्यकों पर जो बर्बरता हुई थी, वही हालात 2026 में फिर से देखने को मिल रहे हैं।

तीन सहेलियां, 90 मिनट और दो हत्याएंः एक को चाकू मारा, दूसरे को कार से कुचला, कैलिफोर्निया में महिला गिरफ्तार

कैलिफोर्निया (ए.)। कैलिफोर्निया में अलग-अलग घटनाओं में अपनी दो सहेलियों की हत्या करने के आरोप में भारतीय मूल की एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि उसने एक सहेली को चाकू मारा और दूसरी को अपनी कार से कुचल दिया। यह जानकारी अधिकारियों ने दी।

पुलिस ने क्या बताया ?

पुलिस और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, भारतीय मूल की 32 वर्षीय महिला अनीला बेबी ने कथित तौर पर अपनी दो सहेलियों की हत्या लगभग 90 मिनट के अंतराल पर हुए अलग-अलग हमलों में कर दी।आरोपी और दोनों पीड़ित दोस्त थे। वे मूल रूप से केरल के रहने वाले थे।

कब की है यह घटना ?

ये हत्याएं 28 अगस्त को अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के साउथ बे इलाके के दो शहरों सैन होजे और मिलपिटास में हुईं, जो एक-दूसरे से 20 किलोमीटर से भी कम दूरी पर हैं। ABC7 न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, बाद में जांचकर्ताओं ने दोनों हत्याओं के बीच संबंध पाया और 'बेबी' की पहचान संदिग्ध के तौर पर की।

'बेबी' को उसी दिन गिरफ्तार कर लिया गया और शुरू में उस पर मिलपिटास में हुई हत्या का आरोप लगाया गया। हालांकि, 8 सितंबर को प्रॉसिक्यूटर ने मैथ्यू की मौत के मामले में भी उस पर हत्या का आरोप लगाया। सैन होजे पुलिस विभाग (SJPD) ने गुरुवार को एक बयान में कहा, 'घटना के पीछे की वजह और हालात की अभी भी जांच चल रही है।'

अगली पेशी कब है?

लॉस एंजिल्स टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, बेबी गुरुवार को पहली बार सांता क्लारा काउंटी कोर्ट में पेश हुईं। उन्हें 17 नवंबर को फिर से पेश होना है, जब उम्मीद है कि उन्हें अपनी दलील रखने का मौका मिलेगा। ABC 7 न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, बेबी पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर के दो आरोप हैं। दोषी पाए जाने पर उन्हें 50 साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा हो सकती है।

गवाहों ने क्या बताया?

रिपोर्ट में कहा गया है कि जांचकर्ताओं के मुताबिक, पहली हत्या 28 अगस्त को सैन होजें में लिंडा विस्टा स्ट्रीट पर मैथ्यू के घर पर हुई थी। गवाहों ने बताया कि मैथ्यू के दरवाजे पर एक अनजान मेहमान आया था। सरकारी वकीलों ने कहा कि बाद में मैथ्यू अपने घर के अंदर मृत पाई गईं। रिपोर्ट के अनुसार, जांचकर्ताओं ने बताया कि उनका गला घोंटा गया था और चाकू मारा गया था। उन्हें खून से लथपथ हालत में छोड़ दिया गया था।

SJPD ने बताया कि मैथ्यू सैन होजे स्थित अपने घर में बेहोश पाई गईं, उनके शरीर पर चाकू के घाव थे। उन्हें घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। लगभग 90 मिनट बाद, बेबी ने हरि को मिलपिटास में अपने अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स की पार्किंग में बुलाया। सैन फ्रांसिस्को क्रॉनिकल की रिपोर्ट के मुताबिक, बेबी और हरि एक ही अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में रहती थीं और दोस्त व परिवार वाले उन्हें करीबी दोस्त बताते थे।

एआई, सोशल मीडिया और ड्रोन बने आतंकियों के नए हथियार, सुरक्षा रणनीतियों में बदलाव जरूरी : यूएनएससी

संयुक्त राष्ट्र (ए.)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए आतंकी हमले की 25वीं वर्षगांठ पर आतंकवाद से निपटने की रणनीतियों में बदलाव पर जोर दिया। यूएनएससी ने कहा कि आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ड्रोन और उपग्रह जैसी नई तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे आतंकियों से मुकाबले के लिए देशों को अपने सुरक्षा उपायों को आधुनिक बनाना होगा।सुरक्षा परिषद ने शुक्रवार को सर्वसम्मति से अपनाए गए एक प्रेस वक्तव्य में कहा, सुरक्षा परिषद आतंकवाद का मुकाबला करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है, जो अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। परिषद ने इस बात पर भी जोर दिया कि आतंकवादियों के खिलाफ रणनीतियों को भी उसी अनुरूप विकसित करना होगा।

आतंकवादी अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ड्रोन, उपग्रह, सोशल मीडिया और अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं, इसलिए इनसे निपटने के लिए एक प्रभावी वैश्विक तंत्र विकसित करना आवश्यक है। फ्रांस की पहल पर आयोजित यह बैठक 2001 में अलकायदा द्वारा किए गए आतंकी हमलों की याद में बुलाई गई थी।

मनोरंजन

आखिर क्यों अपनी ही फिल्में देखने से कतराती हैं अभिनेत्री? किया चौंकाने वाला खुलासा

'बंटवारा 1947' में नजर आने के बाद अब अभिनेत्री प्रीति जिंटा जल्द ही कुणाल खेमू के निर्देशन में बनी हिंदी एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'वाइब' में नजर आने वाली हैं। ऐसे में वे

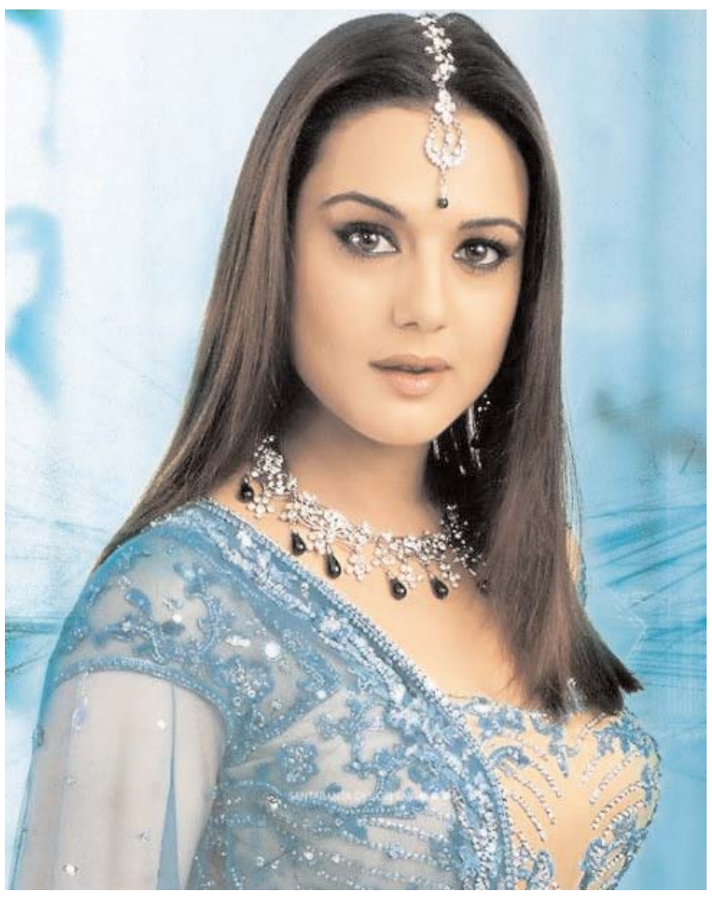

जमकर टीम के साथ इस मूवी को प्रमोट करती हुए नजर आ रही हैं। ऐसे में एक्ट्रेस ने अपने परफॉर्मेंस और ऑन-स्क्रीन प्रेसेंस पर खुलकर बात की।

क्यों प्रीति जिंटा नहीं देखतीं अपनी ही फिल्में?

हाल ही में हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में प्रीति जिंटा ने कहा कि इतने समय के अनुभव के बाद भी खुद को स्क्रीन पर देखना उनके लिए आसान नहीं रहता है।

प्रीति ने कहा, 'मैं स्क्रीन पर खुद को कभी जज नहीं कर पाती हूं। मैं खुद को स्क्रीन पर नहीं देखती हूं। जब मेरी फिल्म पूरी हो जाती है तो मैं उसे नहीं देखती। मुझे बैठकर खुद को देखना बहुत अजीब लगता है। ऐसा नहीं है कि मैं फिल्म देखना नहीं चाहती, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर पाती। मुझे बार-बार लगता है कि मैं यह सीन और बेहतर कर सकती थी।'

'वाइब' में कौनसा किरदार निभाएंगी प्रीति जिंटा?

फिल्म 'वाइब' में प्रीति जिंटा मैडम एच नाम की एक सुपर स्पाई का किरदार निभा रही हैं।

वह दो आम लोगों को एक सीक्रेट मिशन के लिए भर्ती करती हैं।

फिल्म के लिए प्रीति ने कई एक्शन सीन्स भी किए हैं।

उन्होंने कोशिश की कि ज्यादातर एक्शन खुद करें, हालांकि उन्होंने माना कि स्टंट शूट करना काफी तकनीकी तैयारी और तालमेल का काम होता है।

फिल्म की स्टार कास्ट और रिलीज डेट

फिल्म में कुणाल खेमू और स्पर्श श्रीवास्तव भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कुणाल खेमू के निर्देशन में बनी यह फिल्म 18 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

शहनाज गिलः जबरा फैन ने सीने पर करवाया एक्ट्रेस का टैटू, देखकर हैरान हुए लोग; वीडियो हुआ वायरल

बिग बॉस फेम शहनाज गिल के वीडियो अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चाओं में रहते हैं। अब उनके एक फैन ऐसा कुछ कर दिया, जिससे खुद शहनाज हैरान रह गईं। अब इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

क्या है वीडियो में खास?

दरअसल, एक वीडियो सामने आया है, जिसमें शहनाज गिल अपने एक फैन से मुलाकात करती नजर आ रही हैं। इस बीच फैन अपने सीने पर बने टैटू को एक्ट्रेस को दिखाता है, जो शहनाज को भी चौंका देता है। फैन ने अपने सीने पर शहनाज का टैटू बनवा रखा था। इसे देखकर शहनाज भी हैरान रह जाती हैं। दोनों का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

यूजर्स ने दिए मिक्स्ड रिएक्शन

फैन के इस कारनामे पर यूजर्स के मिक्सड रिएक्शन सामने आए हैं। जहां एक तरफ कुछ लोगों ने इसे फैन मूमेंट बताया, वहीं कुछ ने इसकी जमकर ट्रोलिंग की।

एक यूजर ने लिखा- 'बेस्ट फैन मूमेंट।'

वहीं एक और यूजर ने तारीफ करते हुए लिखा- 'कितना प्यारा है (So Sweet)।'

कुछ यूजर्स ने किया ट्रोल

एक यूजर ने लिखा- 'अपने मां-पापा का बनवा लेते, तो ज्यादा अच्छा लगता।'

दूसरे ने लिखा- 'पागल दुनिया।'

एक अन्य यूजर ने लिखा- 'कैसे बेवकूफ लोग हैं यार।'

शहनाज गिल के बारे में

शहनाज गिल एक अभिनेत्री और मॉडल हैं। वो कई पंजाबी फिल्मों और टीवी शोज में काम कर चुकी हैं। इसके अलावा शहनाज कई वीडियोज का भी हिस्सा रह चुकी हैं। 'बिग बॉस 13' की वजह से शहनाज काफी चर्चाओं में आईं थीं। इसके बाद से ही एक्ट्रेस सुर्खियों में रहने लगीं। शहनाज सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 19.2 मिलियन से ज्यादा के फॉलोअर्स हैं।

'शादी वाला चक्कर था', एक्स करण वाही को याद कर भावुक हुईं उदिति सिंह, रिश्ते पर की खुलकर बात

शो में आने से पहले ऐसी खबरें थीं कि उदिति अपने एक्स करण वाही के साथ 'बिग बॉस 20' के घर में एंट्री कर सकती हैं। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ और उदिति ने अकेले ही शो में कदम रखा। अब लेटेस्ट एपिसोड में उन्होंने अपने पुराने रिश्ते को लेकर कई बातें शेयर कीं।

क्यों रो पड़ीं उदिति

घर के अंदर उदिति अपने साथी कंटेस्टेंट्स काजी तौकीर, माहि विज और अमन गांधी के साथ बातचीत कर रही थीं। इसी दौरान माहि ने कहा कि कई लोगों को लगा था कि उदिति अपने एक्स के साथ शो में आएंगी। इस पर उदिति ने करण का नाम लिए बिना कहा, 'वो साथ भी आ जाता तो मेरे लिए भी किसी दूसरे कंटेस्टेंट जैसा ही होता। यहां ऐसे बहुत से लोग हैं, जिनसे मैं बात नहीं करती। मुझे ऐसा कोई चक्कर नहीं है। मैं कब का मूव ऑन कर चुकी हूं। बहुत समय हो गया है और मैं मूव ऑन कर चुकी हूं।'

कैसे शुरू हुई थी दोनों के बीच बातचीत

इसके बाद उदिति ने बताया कि वह और करण कैसे मिले थे। उन्होंने बताया कि उन्होंने इंस्टाग्राम पर करण को एक रेस्टोरेंट को लेकर मैसेज किया था, जो लंदन में था। इसके बाद दोनों ने मिलने का फैसला किया।

उदिति ने बताया कि करण तीन दिनों के लिए लंदन में थे। इस दौरान दोनों करण के दोस्तों के साथ शॉपिंग करने गए और उनकी बातचीत आगे बढ़ती रही। करीब दो महीने बाद दोनों ने डेटिंग शुरू कर दी।

शादी करने का था प्लान

लॉकडाउन के दौरान उदिति भारत आ गई थीं। उस वक्त वह एक मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी तलाश रही थीं और करण के करीब रहना चाहती थीं।

दोनों अपने भविष्य और शादी को लेकर भी बातें करने लगे थे। उदिति ने कहा, 'हम डेटिंग और फिर शादी को लेकर काफी सीरियस थे। शादी वाला चक्कर था।'

यह बताते हुए उदिति खुद को रोक नहीं पाईं और रोने लगीं। इसके बाद माहि विज और घर के बाकी कंटेस्टेंट्स ने उन्हें गले लगाकर संभाला।

उदिति और करण के रिश्ता के बारे में

रिपोर्ट्स के मुताबिक, उदिति सिंह और करण वाही दो साल से ज्यादा समय तक रिलेशनशिप में रहे थे।

दोनों का 2022 में ब्रेकअप हो गया था।

करण वाही फिलहाल 'खतरों के खिलाड़ी 15' में नजर आ रहे हैं। वह 'रीमिक्स', 'दिल मिल गए', 'कुछ तो लोग कहेंगे', 'खतरों के खिलाड़ी' और 'झलक दिखला जा' जैसे टीवी शोज का हिस्सा रह चुके हैं।

करण 'बिग बॉस 13' में बतौर गेस्ट भी नजर आए थे।

हनुमान अंशः क्या ऑस्कर में एंट्री करेगी फिल्म? निर्माता नम्रता सिंह ने किया बड़ा खुलासा, कही यह बात

'हनुमान अंश' इन दिनों 'मिर्जापुर', 'हैवान' और 'टॉक्सिक' जैसी फिल्मों को कड़ी टक्कर को कड़ी टक्कर दे रही है। हालांकि, इतनी पॉपुलैरिटी मिलने के बाद भी फिल्म ऑस्कर के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री नहीं बन पाएगी। अब फिल्म की प्रोड्यूसर नम्रता सिंह ने इसकी वजह बताई है।

ऑस्कर में एंट्री पर क्या बोलीं प्रोड्यूसर?

बॉलीवुड हंगामा से बातचीत में जब प्रोड्यूसर नम्रता सिंह से पूछा गया कि फिल्म भारत की ओर से बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी के लिए ऑस्कर की ऑफिशियल एंट्री क्यों नहीं बन पाई। इस पर उन्होंने बताया कि टीम को ऑस्कर के लिए फिल्म सबमिट करने की प्रोसेस के बारे में जानकारी ही नहीं थी और इसी वजह से उनकी डेडलाइन मिस हो गई।

नम्रता सिंह ने बताया कि 7 सितंबर को ऑस्कर के लिए फिल्म

सबमिट करने की आखिरी तारीख थी और उनकी टीम डेडलाइन मिस कर गई।

प्रोड्यूसर ने कहा कि उन्हें बाद में कई लोगों के फोन आने लगे कि उन्होंने फिल्म सबमिट क्यों नहीं की। लेकिन टीम को इस प्रोसेस के बारे में पता ही नहीं था। उन्होंने कहा कि वे इस समय बहुत सारे काम में व्यस्त हैं और उनकी टीम भी काफी छोटी है।

हनुमान अंश का बाकी भाषाओं में डबिंग पर काम जारी

फिल्म की अन्य भाषाओं में डबिंग पर नम्रता सिंह ने आगे बताया कि फिलहाल टीम ने फिल्म को तेलुगु में डब किया है और बाकी भाषाओं में डबिंग का काम भी किया जा रहा है। इसके अलावा फिल्म को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए एक्सेसिबिलिटी पर भी काम हो रहा है, ताकि अलग-अलग क्षमताओं वाले लोग भी फिल्म देख सकें।

'हनुमान अंश' के बारे में

'हनुमान अंश' को विशाल चतुर्वेदी ने लिखा और डायरेक्ट किया है। फिल्म में शोभिना डब्ल्यू. सत्य, विहान एस. हेगड़े, चंदन आनंद, पूर्णिमा तिवारी, अनिल के. रस्तोगी और गुलशन पांडे जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं।

9 छक्के और 2 बैट टूटे, डेब्यू टेस्ट में इस पाकिस्तानी खिलाड़ी ने मचाया गदर, 9वें नंबर पर खेली तूफानी पारी

एजबेस्टन(ए.)। एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड में शुक्रवार की शाम पाकिस्तान के 21 वर्षीय तेज गेंदबाज रजाउल्लाह ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से ऐसा कमाल किया, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। डेब्यू टेस्ट खेल रहे रजाउल्लाह ने नौवें नंबर पर उतरकर महज 63 गेंदों में 81 रन की धमाकेदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने नौ छक्के लगाए और कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट में हार के बाद पाकिस्तान टीम में बड़े बदलाव किए गए थे। सात खिलाड़ियों को बाहर कर उनकी जगह सात नए खिलाड़ियों को इंग्लैंड भेजा गया, जिनमें रजाउल्लाह भी शामिल थे। इस युवा गेंदबाज को टीम में शामिल करने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को काफी मशक्कत करनी पड़ी। उनके कोच को खैबर पख्तूनख्वा के पहाड़ी इलाके में बसे गांव तक पहुंचकर रजाउल्लाह को चयन की जानकारी देनी पड़ी थी।इसके बाद जल्दबाजी में उनका पासपोर्ट बनवाया गया और वह इंग्लैंड पहुंचे। एजबेस्टन में डेब्यू करते हुए रजाउल्लाह ने पहले ही दिन इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट को आउट कर अपना पहला टेस्ट विकेट हासिल किया। 140-145 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हुए उन्होंने चार विकेट भी झटके और अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। लेकिन रजाउल्लाह का असली तूफान बल्ले से देखने को मिला।

यूएस ओपनः अलेक्जेंडर ज्वेरेव फाइनल में पहुंचे, करेन खाचानोव को दी मात

न्यूयॉर्क (ए.)। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन 2026 एकल के फाइनल में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने सेमीफाइनल में करेन खाचानोव को 6-3, 7-6(7), 7-6(6) से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई।मैच की शुरुआत में ज्वेरेव नियंत्रण में दिख रहे थे। उनकी सर्व ने उन्हें एक भरोसेमंद प्लेटफॉर्म दिया, जबकि उनके बेसलाइन गेम ने खाचानोव को बार-बार असहज स्थिति में डाला। रूसी खिलाड़ी के 3-3 से बराबर होने के बाद, ज्वेरेव ने अहम मौके पर अपनी तेजी बढ़ाई ताकि उन्हें जरूरी एकमात्र ब्रेक मिल सके और पहला सेट जीत सकें।खाचानोव ने दूसरे सेट में जोरदार जवाब दिया। ज्वेरेव शुरू में 2-0 से आगे हो गए, लेकिन रूसी खिलाड़ी को दोनों विंग से ज्यादा आक्रामकता मिली और उन्होंने सेट पलट दिया। वह 5-4 से आगे हो गए और ज्वेरेव पर दबाव डाला, इससे पहले कि जर्मन खिलाड़ी ने मजबूती से टिककर टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया।टाई-ब्रेक हिम्मत का टेस्ट बन गया। ज्वेरेव ने दो सेट पॉइंट गंवाए लेकिन अपने तीसरे मौके का फायदा उठाकर फाइनल से एक सेट के अंदर पहुंच गए।

हम किसी टीम को हरा सकते हैं, श्रीलंकाई कप्तान अथापट्टू का एशिया कप फाइनल से पहले बड़ा बयान

दुबई (आरएनएस)। महिला एशिया कप 2026 का फाइनल 13 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होना है। खिताबी मुकाबले में एक बार फिर भारतीय टीम और श्रीलंका आमने-सामने है। फाइनल से पहले श्रीलंका की कप्तान चमारी अथापट्टू ने कहा है कि उनकी टीम किसी भी टीम को हराने में सक्षम है। सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ दबाव की स्थिति से निकलते हुए जीत दर्ज करने के बाद चमारी अथापट्टू ने कहा कि उनकी टीम में इतनी गहराई और धैर्य है कि वे विमेंस एशिया कप फाइनल में किसी भी विरोधी टीम को हरा सकती है। कप्तान विशेष तौर पर अपनी टीम के युवा खिलाड़ियों से प्रभावित नजर आईं। श्रीलंकाई कप्तान ने कहा, टीम की ताकत उन खिलाड़ियों की संख्या में है जो हालात के मुताबिक जिम्मेदारी लेने में सक्षम हैं।उन्होंने कहा, हमारे पास हर्षिता, नीलाक्षिका, कविशा जैसे अच्छे फिनिशर हैं। ज्यादातर खिलाड़ी बहुत अच्छा खेल रहे हैं, गेंदबाजी यूनिट भी अच्छा कर रही है। अगर हम फाइनल में अपनी योजना को लागू कर पाते हैं, तो मुझे लगता है कि हम किसी भी टीम को हरा सकते हैं।

डब्ल्यूसीपीएल : हरलीन देओल बारबाडोस ट्राइडेंट्स से जुड़ीं

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी हरलीन देओल विमेंस कैरेबियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूसीपीएल) के बाकी मैचों के लिए गत विजेता बारबाडोस ट्राइडेंट्स से जुड़ गई हैं। हरलीन, बारबाडोस से जुड़ी पांचवीं विदेशी क्रिकेटर हैं। हरलीन देओल फिलहाल भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। ऐसे में वह सीजन के अंत तक बारबाडोस ट्राइडेंट्स के लिए उपलब्ध रहेंगी। वह ट्राइडेंट्स टीम में और गहराई और इंटरनेशनल अनुभव लाएंगी। इस टीम में पहले से ही किरण नवगिरे और पूजा वस्त्रकार हैं। बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने एक्स पर हरलीन देओल की तस्वीर साझा करते हुए उनका टीम में स्वागत किया है। टीम ने कैप्शन में लिखा, आपका हमारी टीम में स्वागत है।

हरलीन टी20 फॉर्मेट की बेहद उपयोगी खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम के लिए 20 मैचों की 20 पारियों में 1 अर्धशतक सहित 311 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 92.01 रहा है। इसके अलावा, 6 विकेट भी उनके नाम है। भारत के लिए आखिरी मैच उन्होंने इस साल मार्च में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था।

हरलीन विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में गुजरात जायंट्स और यूपी वॉरियर्स का हिस्सा रही हैं। उन्होंने 28 डब्ल्यूपीएल मैचों में 115.68 के स्ट्राइक रेट से 649 रन बनाए हैं।

डब्ल्यूसीपीएल 2026 में अन्य भारतीय खिलाड़ी शिखा पांडे और यस्तिका भाटिया हैं, दोनों त्रिनबागो नाइट राइडर्स के साथ हैं।

ट्राइडेंट्स ने इस साल के टूर्नामेंट में अब तक केवल एक मैच खेला है, जिसमें 5 सितंबर को शुरुआती मैच में नाइट राइडर्स से 21 रन से हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में तीन भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया था। शिखा पांडे (17 रन देकर 3 विकेट), यास्तिका भाटिया (28 गेंदों में 35 रन) और नवगिरे (21 गेंदों में 28 रन) ने अहम योगदान दिया था।

बारबाडोस ट्राइडेंट्स का अगला मुकाबला शनिवार को जमैका एम्प्रेस और रविवार को गुयाना अमेजन वॉरियर्स से होगा। देखना होगा हरलीन इन मैचों में बारबाडोस प्लेइंग इलेवन का हिस्सा बन पाती हैं, या नहीं। 28 साल की हरलीन 2019 से भारतीय टीम के साथ रही हैं।

यूएस ओपन : बेन शेल्टन ने टियाफो को हराकर फाइनल में जगह बनाई, ज्वेरेव से होगा खिताबी मुकाबला

न्यूयॉर्क (आरएनएस)। अमेरिकी बेन शेल्टन ने हमवतन फ्रांसिस टियाफो को एक रोमांचक सेमीफाइनल में हराकर यूएस ओपन 2026 के एकल फाइनल में जगह बना ली है। फाइनल में शेल्टन का मुकाबला जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। 23 साल के शेल्टन ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में जगह बनाई है। शेल्टन ने टियाफो को चार सेट तक चले मुकाबले में 4-6, 6-3, 6-3, 7-5 से हराया। शेल्टन 1972 में ऐश के बाद यूएस ओपन एकल फाइनल में पहुंचने वाले पहले ब्लैक अमेरिकन आदमी हैं और 1996 में विंबलडन में मालीवाई वॉशिंगटन के बाद किसी भी ग्रैंड स्लैम एकल फाइनल में पहुंचने वाले पहले ब्लैक अमेरिकन आदमी हैं।बेन ने टियाफो को हराने के बाद मैच पॉइंट ट्रेडमार्क डायल्ड-इन सेलिब्रेशन नहीं किया, क्योंकि नंबर 11 सीड ने नेट में डबल-फॉल्ट किया, जिससे तीन घंटे, 17 मिनट का मुकाबला खत्म हो गया। मैच के बाद शेल्टन ने कहा, टियाफो मेरे लिए बड़े भाई जैसे हैं। हर बार जब हम इस कोर्ट पर एक साथ खेलते हैं, आर्थर ऐश, और एक-दूसरे के साथ खेलते हैं, तो यह बहुत खास होता है। हम इस टूर्नामेंट के आखिर में यहीं रहना चाहते हैं। यह दुनिया में हम दोनों का पसंदीदा टूर्नामेंट है, दुनिया का पसंदीदा कोर्ट है। और आप लोगों के सामने इसे रोशन कर पाना सबसे अच्छी भावना है।नंबर 8 सीड और सबसे ऊंची रैंक वाले अमेरिकी खिलाड़ी शेल्टन का मुकाबला 13 सितंबर को होने वाले फाइनल में टॉप सीड अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। ज्वेरेव ने पहले सेमीफाइनल में कैरेन खाचानोव को 6-3, 7-6 (7), 7-6 (6) से हराकर फाइनल में जगह बनाई है।

टीम इंडिया के स्टार सिराज को मिली बड़ी जिम्मेदारी, इस टीम की संभालेंगे कमान; गिरती रफ्तार पर भी तोड़ी चुप्पी

हैदराबाद (ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को घरेलू क्रिकेट के आगामी सत्र के लिए एक बेहद अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (HCA) ने आधिकारिक घोषणा करते हुए सिराज को रणजी ट्रॉफी सत्र के लिए हैदराबाद की सीनियर टीम का कप्तान नियुक्त किया है। वहीं, तेज गेंदबाज चामा मिलिंद को उप-कप्तान की भूमिका सौंपी गई है। सिराज की अगुआई में हैदराबाद की टीम आगामी 11 अक्टूबर से शुरू हो रहे टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में त्रिपुरा से भिड़ेगी।

एलीट ग्रुप बी में हैदराबाद, कड़ी होगी चुनौती

आगामी रणजी सत्र के लिए हैदराबाद की टीम को एलीट ग्रुप बी में रखा गया है। इस ग्रुप में सौराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम और त्रिपुरा जैसी मजबूत टीमें मौजूद हैं। ऐसे कड़े मुकाबले वाले ग्रुप में मोहम्मद सिराज के सामने न सिर्फ एक कप्तान के तौर पर टीम को आगे ले जाने की जिम्मेदारी होगी, बल्कि एक प्रमुख स्ट्राइक बॉलर के रूप में अपनी पुरानी धार और लय को साबित करने की भी परीक्षा होगी।

श्रीलंका दौरे पर गिरी थी गेंदबाजी की रफ्तार, सिराज ने बताई वजह

हालिया श्रीलंका दौरे पर टेस्ट सीरीज के दौरान मोहम्मद सिराज की गेंदबाजी गति (स्पीड) में आई गिरावट चर्चा का विषय बनी थी। आम तौर पर 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने वाले सिराज उस दौरे पर कई मौकों पर 130 किमी प्रति घंटे से भी नीचे की स्पीड पर बॉलिंग करते नजर आए थे। दो टेस्ट मैचों के दौरान उन्होंने कुल 44 ओवर फेंके और केवल 4 विकेट चटका पाए थे।

इस गिरावट पर खुलकर बात करते हुए सिराज ने स्वीकार किया कि करीब दो महीने के लंबे ब्रेक के बाद सीधे प्रतिस्पर्धी मुकाबले में उतरने के कारण उनकी लय पर असर पड़ा था। सिराज ने बताया कि वह एक ऐसे गेंदबाज हैं जिनकी गति सीधे तौर पर रन-अप और रिदम पर निर्भर करती है। रन-अप में थोड़ा भी तालमेल बिगड़ने से रफ्तार प्रभावित हो जाती है।

दलीप ट्रॉफी में मिली वापसी की राह, जज्बे को रखा सबसे आगे

श्रीलंका दौरे के तुरंत बाद सिराज ने दलीप ट्रॉफी फाइनल में साउथ जोन की ओर से खेलते हुए अपनी लय हासिल करने के स्पष्ट संकेत दिए। चेन्नई की उमस और गर्मी के बीच लंबी गेंदबाजी करने के दौरान उनकी रिदम वापस लौटी और स्वाभाविक रूप से गेंद की गति में भी इजाफा हुआ।

सिराज ने स्पष्ट किया कि फिटनेस और फॉर्म की चुनौतियों के बावजूद उनके लिए देश का प्रतिनिधित्व करना सबसे बड़ा जुनून है। उन्होंने दो टूक कहा कि जब आप मैदान पर उतरते हैं तो परिस्थितियों या थकान का कोई बहाना नहीं चल सकता, बल्कि खिलाड़ी को हर हाल में अपना शत-प्रतिशत योगदान देना होता है। अब रणजी ट्रॉफी में कप्तानी का यह नया रोल उनकी फॉर्म और नेतृत्व क्षमता दोनों के लिए अहम साबित होगा।

छत्तीसगढ़ समाचार

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार ग्राम फुण्डहर में अवैध कब्जे पर जिला प्रशासन की कार्यवाही

रायपुर (आरएनएस)। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार ग्राम फुण्डहर के खसरा क्रमांक 54/127 के रकबा 0.0352 हेक्टेयर भूमि पर संजय अग्रवाल पिता राधेश्याम अग्रवाल, शंकर नगर निवासी द्वारा किए गए अवैध कब्जे पर आज प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई की।उक्त कार्यवाही नायब तहसीलदार ज्योति सिंह के नेतृत्व में राजस्व विभाग, नगर पालिक निगम एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर अवैध कब्जा हटाया गया।कार्यवाही के पश्चात उक्त भूमि को विधिवत रूप से भूमि स्वामी यशोदा एसोसिएट एवं पार्टनर योगेश आहूजा को सौंपी गई।

गंगरेल बांध से नहर एवं नदी की ओर 30 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया

धमतरी, (आरएनएस)। गंगरेल बांध के जलग्रहण क्षेत्र में लगातार हो रही आवक को देखते हुए जल प्रबंधन के तहत गंगरेल बांध से कुल 30 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसमें आरएसपी गंगरेल से एनआरबी की ओर 30 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। वहीं एनआरबी से एमएमसी की ओर 5 हजार क्यूसेक तथा महानदी में 25 हजार क्यूसेक पानी प्रवाहित किया जा रहा है।

रात्रि 10 बजे की स्थिति में गंगरेल बांध का जलस्तर 348.43 मीटर दर्ज किया गया। बांध में 35,058 क्यूसेक पानी की आवक हो रही है, जबकि कुल 16,725 क्यूसेक पानी की निकासी दर्ज की गई है। बांध की कुल जलभराव क्षमता के मुकाबले 96.66 प्रतिशत जलभराव है।जल की लगातार आवक को देखते हुए बांध एवं निचले क्षेत्रों में जल प्रवाह की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। संबंधित विभागों को आवश्यक सतर्कता बरतने तथा नदी एवं निचले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को जल प्रवाह को देखते हुए सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन द्वारा जलाशय के जलस्तर, आवक एवं निकासी की स्थिति की निरंतर समीक्षा की जा रही है, ताकि जल प्रबंधन के साथ-साथ निचले क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

18 किलो गांजे के साथ पकड़े गए अंतरराज्यीय तस्कर को 10 साल की सजा

रायपुर, (आरएनएस)। 18 किलो गांजे की तस्करी के मामले में विशेष न्यायालय ने अंतरराज्यीय तस्कर को 10 वर्ष के सश्रम कारावास और एक लाख रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह फैसला विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट, रायपुर श्रीमती किरण थवाईत ने 11 सितंबर 2026 को सुनाया।

मामला 18 जून 2024 का है। टिकरापारा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक अवैध रूप से गांजा लेकर परिवहन कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी राज नामदेव पिता ब्रिजेश नामदेव (21) को गिरफ्तार किया था। आरोपी मध्यप्रदेश के विदिशा जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित गुप्तेश्वर मंदिर, किले के अंदर का निवासी है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 18 किलोग्राम गांजा बरामद किया था, जिसकी अनुमानित कीमत 3 लाख 60 हजार रुपये बताई गई। मामले में टिकरापारा थाने में अपराध क्रमांक 480/2024 दर्ज कर एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत कार्रवाई की गई। विवेचना पूरी करने के बाद पुलिस ने न्यायालय में चालान पेश किया। मामले की सुनवाई के दौरान पुलिस की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों और प्रभावी पैरवी के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी पाया।

सीतामढ़ी में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई, नौ वाहन जब्त

कोरबा,,(आरएनएस)। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश पर जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में हसदेव नदी के सीतामढ़ी क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की लगातार प्राप्त हो रही शिकायतों पर खनिज विभाग के उड़नदस्ता दल द्वारा कार्रवाई की गई।

खनिज उड़नदस्ता दल ने शनिवार सुबह लगभग 5.30 बजे सीतामढ़ी क्षेत्र में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान हसदेव नदी में रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते पाए गए 9 वाहनों को जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान कुछ वाहन नदी में फंसे हुए थे, जबकि कुछ वाहनों को संबंधित लोग मौके पर छोड़कर फरार हो गए। नगर पालिक निगम कोरबा की मदद से नदी में फंसे वाहनों को बाहर निकाला गया।जब्त वाहनों को आवश्यक कार्रवाई के लिए कोतवाली थाना कोरबा एवं खनिज जांच चौकी उरगा की अभिरक्षा में रखा गया है। प्रकरणों में नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।खनिज विभाग ने बताया कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना, प्राकृतिक खनिज संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा शासन के राजस्व की हानि को रोकना विभाग की प्राथमिकता है। नियमों का उल्लंघन कर अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों एवं वाहनों के विरुद्ध खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम सहित अन्य प्रचलित वैधानिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही

रायपुर में एक दिन में 10 मामलेः 94.50 लाख की शेयर बाजार ठगी से लेकर चाकूबाजी तक

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी में 11 सितंबर को अलग-अलग थाना क्षेत्रों में धोखाधड़ी, चोरी, अवैध शराब और चाकू लेकर लोगों को डराने के कई मामले दर्ज किए गए। सबसे बड़ी घटना खम्हारडीह थाना क्षेत्र में सामने आई, जहां शेयर बाजार में निवेश पर अधिक मुनाफे का झांसा देकर एक व्यक्ति से 94 लाख 50 हजार 170 रुपये ठग लिए गए। इसके अलावा शहर के विभिन्न इलाकों से दोपहिया वाहन, मोबाइल, नकदी और केबल चोरी के मामले भी सामने आए।खम्हारडीह में शेयर बाजार के नाम पर 94.50 लाख की ठगी: हाईपाकट, शंकर नगर निवासी विशाल बजाजरिया को आरोपी ने शेयर बाजार के व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़ा। इसके बाद फोन कर निवेश पर ज्यादा मुनाफे का लालच दिया और अलग-अलग तरीके से कुल 94,50,170 रुपये अपने बताए ट्रेडिंग खाते में जमा करा लिए।

सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को समय पर पूरा करें : कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह

रायपुर, (आरएनएस)।कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित होने वाले दीपोत्सव की तैयारियां समय रहते पूरी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से तैयारियां सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने आज रेडक्रॉस सभाकक्ष में समय-सीमा की फॉलोअप बैठक लेकर जिले में संचालित योजनाओं एवं विभिन्न शासकीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने पीएमएवाई के प्रकरणों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों को बुलाकर योजना से संबंधित आवश्यक जानकारी दी जाए और प्रकरणों के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होंने अभनपुर एसडीएम द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए अन्य एसडीएम को भी इसी तरह प्रभावी ढंग से कार्य करने के निर्देश दिए।

खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए संसाधनों और अवसरों की नहीं होगी कमी : मुख्यमंत्री साय

प्रदेश में खेल अधोसंरचना का तेजी से हो रहा विस्तार, रायपुर में 60 करोड़ रुपये की लागत से बन रही आर्चरी अकादमी

रायपुर, (ए.)। छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। प्रदेश के गांवों, वनांचलों और दूरस्थ क्षेत्रों में अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। आवश्यकता है कि उनकी समय पर पहचान कर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक संसाधन और आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए जाएं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के सिविल लाइन स्थित न्यू सर्किट हाउस में आयोजित छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ की एग्जीक्यूटिव बॉडी मीटिंग एवं जनरल काउंसिल मीटिंग को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है। प्रदेश में खेल अधोसंरचना का विस्तार करने के साथ खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीयस्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए संसाधनों और अवसरों की कमी नहीं होने दी जाएगी।उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता और पदक तक सीमित नहीं हैं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और सकारात्मक ऊर्जा विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच उपलब्ध कराना और उन्हें राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीयस्तर की प्रतिस्पर्धाओं के अनुरूप तैयार करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए खेल अधोसंरचना के विकास के साथ प्रशिक्षण और प्रतिभा चयन की व्यवस्था को भी मजबूत किया जा रहा है।मुख्यमंत्री साय ने प्रदेश के विभिन्न खेल संघों को उद्योग समूहों से जोड़ने की पहल में तेजी लाने की बात कही। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में अनेक बड़े उद्योग समूह कार्यरत हैं।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला सीहोर (म.प्र.)

email- modgmseh@mp.gov.in

क्रमांक-3409/खनिज/उ.प./2026, सीहोर, दिनॉक 11/09/2026

प्रथम सूचना

(म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18-1क)

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक **तिरूमाला सेंड मैन्यूफैक्चरिंग एलएलपी पार्ट. नरेन्द्र पाटीदार निवासी- ख.नं. C5, ग्राम तकिया तह. श्यामपुर, जिला सीहोर** द्वारा म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18-1क के तहत उत्खनिपटटा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो)प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर **ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 03.06.2026** को प्रस्तुत किया गया है। विज्ञप्ति प्रकाशित होने के उपरांत 30 दिवस तक इस क्षेत्र पर यथा स्थिति उत्खनिपटटा अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल http://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला.	तहसील	ग्राम	खसरा नम्बर	आवेदित रकबा	भूमि का प्रकार निजी/अन्य भूमिस्वामी की सहमति प्राप्त	खनिज का नाम	रिमार्क
सीहोर	आष्टा	गुराडिया रूपचंद	154/1	3.959 हे.	शासकीय	क्रेशर हेतु पत्थर एवं एम-सेंड	कुल रकबा 9.923 हे. में से 3.959 हे. क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया।
			कुल रकबा	9.923 हे.			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इक्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करनें की अंतिम तिथी तक (कार्यालयीन समय सांय 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना से प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुए 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सथी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि इस प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

जी/18526/26

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
जिला-सीहोर (म.प्र.)

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

श्रीगणेश जन्मोत्सव का कल से शुभारंभ- पंडित सुनील शर्मा लड्डू, मोदक, और दूर्वा भेंट कर भक्त मनाएंगे श्रीगणेश जन्मोत्सव

सीहोर (निप्र)। भारतीय संस्कृति में किसी भी मांगलिक कार्य विवाह सगाई, भूमि पूजन गृह प्रवेश, धार्मिक अनुष्ठान व्रत हवन पूजन में सर्वप्रथम भगवान गणेश की पूजा अर्चना की जाती है संपूर्ण सृष्टि के प्रथमपूज्य, विघ्नहर्ता, मंगलमूर्ति, शिवशक्ति के पुत्र भगवान श्रीगणेश की मिट्टी की मूर्तियाँ पार्थिव गणेश प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी घर-घर विराजेंगी। पंडित सुनील शर्मा के अनुसार भगवान श्रीगणेश का जन्म भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष चतुर्थी को हुआ था। इस बार श्रीगणेश जन्म उत्सव कल 14 सितम्बर सोमवार चित्रा नक्षत्र से प्रारंभ होकर 25 सितम्बर शुक्रवार अनन्त चतुर्दशी तक मनाया जायेगा। इस बार श्रीगणेश उत्सव 12 दिवस का रहेगा। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर साधक और भक्तजन अपने-अपने गृह-प्रांगण में मिट्टी से निर्मित पार्थिव श्रीगणेश की शास्त्रीय विधान से स्थापना कर महाउत्सव का शुभारंभ करेंगे। पंडित सुनील शर्मा के अनुसार इस 12 दिवसीय श्रीगणेश जन्मोत्सव के दौरान सर्वार्थ सिद्धि योग व अमृत सिद्धि योग का अलौकिक दुर्लभ संयोग बन रहा है। इस सिद्धिप्रद समय में की गई पूजा-अर्चना, अनुष्ठान और जप अक्षय पुण्य फल प्रदान करते हैं तथा भक्त के समस्त विघ्नों का समूल नाश करते हैं। भक्तगण भगवान को लड्डू, मोदक दूर्वा और गुड़हल, लाल पुष्प ,और गेंदा के फूल आदि भेंट करेंगे। शास्त्रानुसार रिद्धि सिद्धि के दाता भगवान गणेश को प्रसन्न करने के लिये उनके 12 नाम सुमुख,एकदंत, कपिल, गजकर्णक, लंबोदर, विकट, विघ्ननाशन, विनायक, धूम्रकेतु, गणाध्यक्ष, भालचंद्र, गजानन का स्मरण करना चाहिये और गणेश चालीसा, गणेश अथर्वशीर्ष, संकटनाशन गणेश स्त्रोत का पाठ लाभप्रद है। गणेश चतुर्थी पर चंद्र दर्शन निषेध माना गया है। भाद्रपद शुक्लपक्ष चतुर्थी की रात्रि में चंद्रमा का दर्शन करने से व्यक्ति पर मिथ्या आरोप लगने का भय रहता है। यदि अनजाने में भूल बस गणेश चतुर्थी का चंद्रमा दिख जाए तो शास्त्रों में वर्णित स्यमंतक मणि की कथा सुननी चाहिए।

एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत फलदार पौधों का रोपण

हरियाली और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश-

सीहोर (निप्र)। 11 सितंबर 2026। देवास-भोपाल कॉरिडोर पर पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से देवास-भोपाल कॉरिडोर प्राइवेट लिमिटेड (DBCPL)- वर्टिस फाउंडेशन सीएसआर टीम द्वारा एट ठंडा क्षेत्र, हरिशबन में फलदार पौधों के रोपण की गतिविधि आयोजित की गई। यह पहल परियोजना के डीजीएम अजय मिश्रा के मार्गदर्शन में की गई, जिसमें एमपीआरडीसी के प्रतिनिधियों, परामर्शदाताओं, डीबीसीपीएल कर्मचारियों एवं परियोजना कर्मियों ने सक्रिय सहभागिता की। वृक्षारोपण के दौरान आम, जामुन, अमरूद सहित विभिन्न फलदार एवं उपयोगी प्रजातियों के पौधे लगाए गए। कार्यक्रम के माध्यम से 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का संदेश देते हुए लोगों को पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने और अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित टीम ने कहा कि पेड़ केवल प्रकृति की सुंदरता नहीं बढ़ाते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, स्वस्थ वातावरण और सुरक्षित भविष्य की नींव भी रखते हैं। आज लगाया गया एक छोटा-सा पौधा आने वाले वर्षों में छाया, फल और जीवनदायिनी ऑक्सीजन देकर समाज को अनमोल उपहार देता है। इसलिए वृक्षारोपण केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि प्रकृति और भविष्य के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर नितिन अग्रवाल, सड़क रख रखाव अधिकारी, दिनेश पाटिल, प्लाजा प्रबंधक, सीएसआर प्रमुख एवं सीएसआर टीम सहित डीबीसीपीएल एवं परियोजना से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता में मंडला ने जबलपुर को 4-2 से हराया

सीहोर (निप्र)। शहर के आवासीय खेलकूद और चर्च मैदान पर संयुक्त रूप से स्वर्गीय कैलाश नारायण सारंग की स्मृति में राज्य स्तर अंडर 14 फुटबॉल प्रतियोगिता मध्य प्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वाधान आयोजन किया जा रहा है। 16 टीमें भाग ले रही है। शनिवार को पहला मैच जबलपुर विरूद्ध मंडला के मध्य खेला गया जिसमें मंडला 4-2 से विजय रही मंडल की तरफ से विवेक ने दो गोल किए शानू ने एक गोल किया मैट्रिक ने एक गोल किया जबलपुर की तरफ से पीयूष ने एक गोल किया आशलन ने एक गोल किया। प्रतियोगिता में दूसरा मैच सिंगरौली-शाजापुर के मध्य 3:00 बजे से खेला गया जिसमें यह मैच एक गोल की बराबरी पर रहा सिंगरौली की तरफ से तनिष्क ने एक गोल किया शाजापुर की तरफ से पीयूष ने एक गोल किया। इस मौके पर जिला फुटबाल एसोसिएशन और जिला खेल विभाग के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि प्रतियोगिता में रविवार को दो मैच खेले जाएंगे पहला मैच छिंदवाड़ा-खंडवा के मध्य खेला जाएगा प्रतियोगिता में एक सेमीफाइनल इंदौर विरुद्ध भोपाल के मध्य खेला जाएगा।

विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 100 से अधिक लोगों की जांच और उपचार

सीहोर (निप्र)। विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस के अवसर पर शहर के सैकड़ाखेड़ी स्थित संकल्प वृद्धाश्रम एवं नशा मुक्ति केंद्र में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संकल्प नशा मुक्ति केंद्र, रेडक्रास एवं जिला अस्पताल के सहयोग से आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। इस दौरान दो दर्जन से अधिक वृद्धजनों की शुगर, बीपी, आंखों सहित अन्य स्वास्थ्य जांचें की गईं, जबकि 100 से अधिक लोगों को दवाइयां उपलब्ध कराकर उपचार किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में केंद्र के संचालक राहुल सिंह, संस्कार मंच के संयोजक जितेन्द्र तिवारी एवं सनातन सेना के प्रदेश सचिव पवन केवट सहित अन्य लोगों ने जिला अस्पताल में पदस्थ वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आरके वर्मा, डॉ. सुनील मीना, रेडक्रास एसोसिएशन के सचिव विपुल चांडक एवं मेडिकल स्टाफ के चेतन वर्मा का स्वागत किया। शिविर में स्वास्थ्यकर्मियों ने वृद्धजनों और अन्य उपस्थित लोगों की स्वास्थ्य जांच की तथा आवश्यकता के अनुसार चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाइयां उपलब्ध कराईं। स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच के प्रति भी जागरूक किया गया।

प्राथमिक उपचार से बच सकती है जान

इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आरके वर्मा ने प्राथमिक चिकित्सा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दुर्घटना, चोट, जलने, बेहोशी, अत्यधिक रक्तस्राव या अचानक तबीयत बिगड़ने जैसी परिस्थितियों में अस्पताल पहुंचने से पहले दिया गया सही प्राथमिक उपचार कई बार मरीज की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति में शुरुआती कुछ मिनट बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। यदि उस समय सही तरीके से प्राथमिक उपचार मिल जाए तो मरीज की स्थिति को बिगड़ने से रोका जा सकता है और उसे सुरक्षित रूप से अस्पताल तक पहुंचाने में मदद मिलती है।

साल की तीसरी नेशनल लोक अदालत का हुआ सफल आयोजन

आपसी सहमति से सुलझे विवाद, लोक अदालत ने दी पक्षकारों को त्वरित राहत

सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में जिला एवं तहसील स्तर पर आयोजित वर्ष 2026 की तीसरी नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन हुआ। तेज बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में पक्षकारों ने लोक अदालत में उपस्थित होकर अपने विवादों का आपसी सहमति एवं राजीनामे के माध्यम से निराकरण कराया। नेशनल लोक अदालत के दौरान कुल 4,208 प्रकरणों का निराकरण किया गया तथा कुल 13,02,00,547 रुपये की समझौता राशि जमा हुई। इनमें न्यायालयों में लंबित 1,272 प्रकरणों का निराकरण आपसी राजीनामे के आधार पर हुआ, जिनमें 9,41,74,832 रुपये के अवार्ड पारित किए गए। वहीं 2,936 प्रिलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण करते हुए 3,60,25,715 रुपये की समझौता राशि जमा कराई गई।

झूलते बिजली तारों से मौत और घायल किसानों ने की न्याय की मांग, पेड़ों पर चढ़कर किसानों ने बजाईं घंटियां

दोषी विद्युत अधिकारियों पर एफआईआर और कार्रवाई की मांग, न्याय नहीं मिला तो घायल किसान को ठेले पर लेकर दिल्ली जाने की चेतावनी

सीहोर (ए.)। खेतों में झूल रहे 11 केवी बिजली तारों से किसानों की मौत होने व गंभीर रूप से घायल होने तथा पशुओं की जान जाने के मामलों को लेकर सीहोर जिले में किसानों का आंदोलन लगातार जारी है। किसान एवं समाजसेवी एमएस मेवाड़ा के नेतृत्व में 25 गांवों के 500 से अधिक किसान पिछले करीब दो माह से आंदोलन कर दोषी विद्युत अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। आंदोलन के दौरान किसानों ने पेड़ों पर चढ़कर घंटियां बजाईं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से पीड़ित किसानों को न्याय दिलाने की गुहार लगाई। किसानों का आरोप है कि जिले के कई गांवों और खेतों में 11 केवी विद्युत लाइनों के तार काफी नीचे तक झूल रहे हैं तथा कई स्थानों पर विद्युत खंभों की स्थिति भी खराब है।

अनोखीलाल मालवीय बने भोपाल लोकसभा प्रभारी, संजीव बौद्ध को विदिशा की जिम्मेदारी

सीहोर (निप्र)। बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व द्वारा संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपते हुए अनोखीलाल मालवीय को भोपाल लोकसभा प्रभारी तथा संजीव बौद्ध को विदिशा लोकसभा प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

पार्टी नेतृत्व ने दोनों पदाधिकारियों की संगठन के प्रति निष्ठा, मेहनत और समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि अनोखीलाल मालवीय एवं संजीव बौद्ध अपने अनुभव और कुशल नेतृत्व के माध्यम से संबंधित लोकसभा क्षेत्रों में पार्टी संगठन को और अधिक मजबूत करेंगे तथा बहुजन समाज पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com